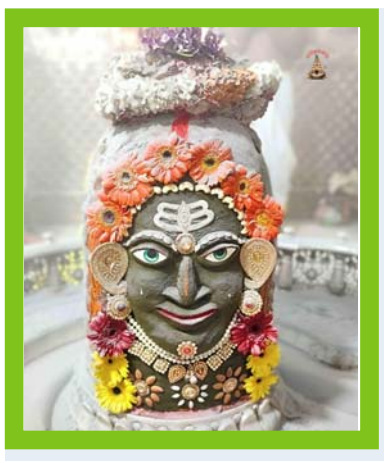

दैनिक समाचार पत्र

मरूधर आवाज़

RNI No-RAJHIN/2021/81002

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

2

वर्षः 1 | अंकः 243 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, बुधवार , 13 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

दुष्कर्म की घटना के बाद भीलवाड़ा के आसींद में सांप्रदायिक माहौल

भीलवाड़ा एसपी आदर्श सिद्धू ने संभाला मोर्चा

आसींद से मुकेश रेगर की रिपोर्ट

मरूधर आवाज

मंगलवार को आसींद एक दुष्कर्म की घटना को लेकर सांप्रदायिक तनाव बन गयाद्य घटना स्थल पर उपस्थित भीड़ ने आरोपी को धर पकड़ के साथ कार में तोड़फोड़ कर दी। मामले की गंभीरता देखते हुए मोर्चा भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने संभाला जानकारी के अनुसार आसींद के निजी महाविद्यालय में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ कस्बे के खातोला निवासी अजीज मोहम्मद नामक व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर एक होटल में दुष्कर्म किया। मौके पे आरोपी को पकड़कर जमकर धुनाई कर दी व कार को तोड़फोड़ कर दिया। घटना जानकारी पुलिस प्रशासन को मिली तो तुरंत प्रभाव से आसींद पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण राम भाकर व सीआई सतीश मीणा ने आसींद बाजार बंद करते हुए लोगों से शांति की अपील की। दूसरी ओर बस स्टैंड पर हिंदू संगठनों के व्यक्ति एकत्रित हो गए, मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा ने आसींद पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं दूसरी ओर जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने भी घटना का मोर्चा संभाल लिया घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकरी लेते हुए कस्बे के विभिन्न मार्गो पर वाहन मार्च किया पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना का मुख्य आरोपी पुलिस गिरफ्त में है तथा अन्य दो आरोपी पुलिस के रडार पर है उसको भी शीघ्र गिरफ्तार करेंगे। घटना के बाद कस्बे में दहशत का माहौल हो गया तथा बुधवार को आसींद कस्बे व्यापारियों ने स्वैच्छिक बंद का किया। जानकारी के अनुसार एक निजी

कॉलेज से परीक्षा देकर अपने गांव जा रही छात्रा को बहला-फुसलाकर आरोपी उसे एक होटल में ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप छात्रा ने रिपोर्ट में दर्ज कराया है । पीडिता छात्रा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मंगलवार को करीब 1-15 पर कस्बे के एक निजी महाविद्यालय में परीक्षा देकर बाजूंदा रोड चुंगी नाका आसींद की तरफ अपने गांव जाने के लिए लौट रही थी ।तभी अभियुक्त गण मारुति स्विफ्ट कार लेकर आया और उसके पास आकर रोकी तथा उससे कहा कि मैं तेरे गांव जा रहा हूं ।तुझे छोड़ दूंगा। जिस पर पीड़िता छात्रा ने अभियुक्त से परिचित होने से विश्वास में आकर गाड़ी में बैठ गई। फिर अभियुक्त गण उसे बस स्टैंड पर स्थित एक होटल लेकर गया और कहा कि कुछ सामान पड़ा हुआ है। लेकर चलते हैं । तभी अभियुक्त गण उसे होटल में ले जाकर एक कमरे में बैठा दिया। जहां उसे ठंडा पेय पदार्थ पीने को दिया। पेय पदार्थ पीने के थोड़ी देर बाद छात्रा को चक्कर आने लग गए। इसका फायदा उठाकर अभियुक्तगण ने उसके साथ छेड़खानी की। फिर उसके साथ जबरदस्ती से खोटाकाम किया। छात्रा के विरोध करने पर आरोपी ने उसे चाकू दिखाकर जान से खत्म करने की धमकी दी। छात्रा के और जोर से चिल्ला कर विरोध करने पर होटल मालिक व एक अन्य ने आकर उसे धमकाया और कहा कि किसी को बताया तो तुझे जान से खत्म कर देंगे। अभियुक्त व सहयोगी ने उसके तीन चार फोटो भी संदिग्ध अवस्था में खींच लिए। होटल में थी, तभी उसके चिल्लाने पर आस पड़ोस के लोग दौड़कर आए और उसे अभियुक्तों के चुंगल से मुक्त कराया। वही एकत्रित भीड़ ने अभियुक्त को पकड़ लिया तथा मौए पर ही उसकी धुनाई कर दी। छात्रा ने इस संबंध में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा कर अभियुक्त गणों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है। इस घटना को लेकर कस्बे में आक्रोश छा गया तथा गुर्जर समाज सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के लोग थाने के बाहर जमा हो गए एवं सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पीडिता ने इस संबंध में मुख्य आरोपी अजीज मोहम्मद पिता हकीक मोहम्मद जाति मुसलमान आयु बालिक निवासी खातोला पुलिस थाना आसींद एवं अब्दुल मोहम्मद ऊर्फ पीरु पिता हकीक मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी खातोला पुलिस थाना आसींद एवं जिया पैलेस आसींद मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कन्हैया हत्याकांड के सातों आरोपी कोर्ट में पेश, तीन रिमांड पर, चार को भेजा जेल

एनआईए की उदयपुर में छापेमारी, सोशल मीडिया की हर पोस्ट पर नजर

मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले में एनआईए रिमांड पर चल रहे सात आरोपियों की रिमांड अवधि खत्म होने पर एनआईए ने सभी आरोपियों को फिर जयपुर की एनआईए कोर्ट में पेश किया।

कोर्ट में आरोपियों की पिटाई की घटना के बाद पुलिस ने इन आरोपियों की पेशी से पहले कोर्ट परिसर में कड़ा सुरक्षा घेरा तैयार किया। दोपहर करीब 1 बजकर 55 मिनट पर एनआईए टीम सभी सात आरोपियों को लेकर कोर्ट परिसर में पहुंची। एनआईए अधिकारियों ने मु य आरोपी रियाज अत्तारी और गौस मोह मद के अलावा मोहसिन खान, आशिक हुसैन, मोह मद मोहसिन, वसीम अत्तारी और फरहाद मोह मद शेख को जयपुर एनआईए कोर्ट में पेशकर अब तक सामने आई जानकारी का ब्योरा दिया।

एनआईए की ओर से इन आरोपियों से पूछताछ में आई

जानकारियों की तस्दीक करने के लिए आरोपी गौस मोह मद, रियाज अत्तारी और फरहाद मोह मद से और पूछताछ करने का हवाला देकर रिमांड पर सौंपने की गुहार लगाई। कोर्ट ने एनआईए की ओर से पेश की गई दलीलों से सहमत होकर आरोपी आरोपी गौस मोह मद, रियाज अत्तारी और फरहाद मोह मद को 16 जुलाई तक पीसी रिमांड पर भेज दिया। वहीं अन्य आरोपी आशिक हुसैन, मोह मद मोहसिन, वसीम अत्तारी और मोहसिन खान को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए।

सुरक्षा के तगड़े इंतजाम

पुलिस ने कोर्ट परिसर में आरोपियों की सुरक्षा के तगड़े इंतजामात किए गए। कोर्ट परिसर में भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया। मीडिया कर्मियों को कोर्ट के बाहर ही रोक दिया गया। गौरतलब है कि पहले सुनवाई के दौरान आरोपियों से मारपीट होने के चलते एहतिहात के तौर पर सुरक्षा की माकूल व्यवस्था की गई।

मीडिया ने लगाई एप्लीकेशन, रहने दिया जाए सुनवाई के दौरान मौजूद

एनआईए कोर्ट से मीडियाकर्मियों ने सुनवाई के दौरान मौजूद रहने के लिए एप्लीकेशन लगाई थी। लेकिन कोर्ट ने उसे स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने केवल केस से स बंधित लोगों को ही कोर्ट परिसर में रहने के आदेश दिए थे। जिसके बाद पहली सुनवाई की तरह ही मीडिया को कोर्ट में जाने की मंजूरी नहीं मिली। कोर्ट ने बंद कमरे में ही एनआईए के अधिकारियों को सुना जिसके बाद तीनों आरोपियों को रिमांड पर दिया गया। अब तक एनआईए सात लोगों को गिर तार कर चुकी है।

उदयपुर में एनआईए की छापेमारी

कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम एक बार फिर उदयपुर पहुंची। सोमवार शाम और मंगलवार को एनआईए ने दो जगहों पर दबिश दी। साथ ही कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की गई। इनमें उदयपुर अंजुमन के सदर मुजीब सिद्दिकी और सचिव फारुक शामिल हैं।

पदेश के बांधों का बढ़ा जलस्तर, 5 जिलों में अलर्ट

जयपुर।

बीते 24 घंटे के दौरान दक्षिण राजस्थान के 6 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। बांसवाड़ा, जालोर, कोटा, उदयपुर के अलावा पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले में 1 से 2 इंच तक पानी गिरा है। सबसे ज्यादा बरसात (3 इंच) हिल स्टेशन माउंट आबू में हुई। बाड़मेर में सोमवार रात हुई तेज बारिश के बाद सड़कें जलमग्न हो गईं। दोपहिया वाहन सड़कों पर तैरने लगे। वहीं, मंगलवार दिन में जयपुर में भी बारिश हुई।

माउंट आबू भी तरबतर

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, जोधपुर, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, टोंक, झालावाड़, जालोर, दौसा, बारां में भी 1 से 2 इंच के बीच बारिश हुई। बाड़मेर में सोमवार देर रात करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। 43रूू बरसात रिकॉर्ड हुई। इसके बाद पूरे शहर में पानी भर गया। सड़कों पर खड़े वाहन डूब गए। कुछ जगह तो इतना पानी भरा कि दोपहिया तैरने लगे। ढलान वाले इलाकों में तो सड़कों ने नदियों का रूप ले लिया। तेज धार बहने लगी। इस धार के बीच कुछ वाहन चालक फंस गए, कुछ गिरे भी। माउंट आबू में सबसे ज्यादा 81रूू बारिश हुई। बांसवाड़ा के बागीडोरा, सलोपत, झालावाड़ के असनावर, प्रतापगढ़, उदयपुर के जयसमंद, ऋषभदेव, कोटा के सिंगोद में भी अच्छा पानी गिरा है। बारिश के बाद टोंक के बीसलपुर बांध में लगातार दूसरे दिन भी पानी आया।

5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक, उत्तरी राजस्थान में हनुमानगढ़, गंगानगर, झुंझुनूं, अलवर में मंगलवार को बारिश हो सकती है। 12 से 14 जुलाई के बीच झालावाड़, उदयपुर, जालोर, अजमेर, बारां,

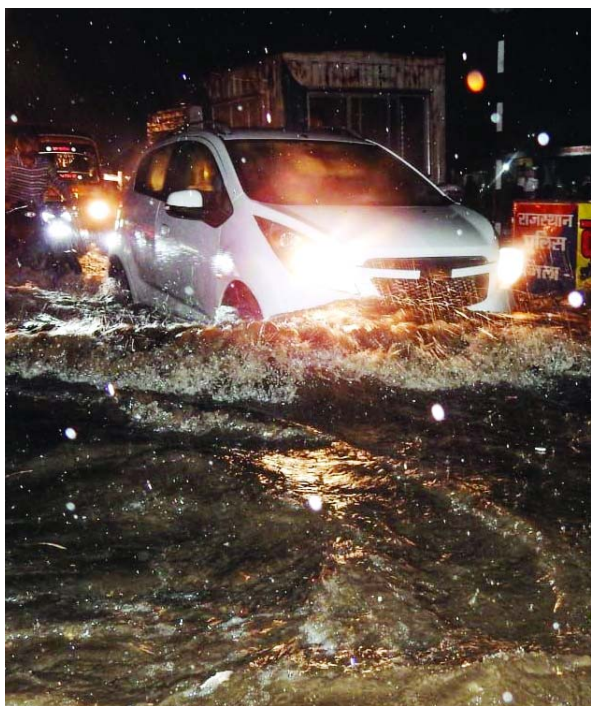

नागौर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद और डूंगरपुर जिले के कई इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, सिरोही, पाली जिले में 12 व 13 जुलाई के लिए भारी बारिश की संभावना जताते हुए यहां के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

हमें बताए नीचे दिए गए नंबर पर वॉट्सएप करे

6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

मुख्यमंत्री ने किया प्रस्ताव का अनुमोदन

राज्य सरकार का 7.5 लाख कर्मचारियों की बीमा पॉलिसियों पर बोनस का निर्णय

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य कर्मचारियों की बीमा पॉलिसियों पर वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए बोनस देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। गहलोत ने इसके लिए एक्चुअरी मूल्यांकन की रिपोर्ट को स्वीकृति दी है। इस निर्णय से राज्य के लगभग 7.50 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे। वित्त विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, राजस्थान सरकारी कर्मचारी बीमा नियम-1998 के तहत निदेशक, बीमा की ओर से करवाए गए एक्चुरीअल मूल्यांकन की रिपार्ट में वर्ष 2019-20 के लिए एण्डोमेंट पॉलिसी के लिए 90 रूपए प्रति हजार तथा आजीवन पॉलिसी के लिए 112.5 रूपए प्रति हजार की दर से साधारण रिवर्सनरी बोनस देने की अनुशंसा की है। बीमा पॉलिसियों पर वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए भी इसी दर से बोनस देने की अनुशंसा की गई थी। इसके अतिरिक्त, अगला मूल्यांकन परिणाम घोषित होने तक भी इसी दर पर अंतरिम बोनस देने और टर्मिनल बोनस की दर 4 रूपए प्रति हजार रखने की भी अनुशंसा की गई है।

वेटरनरी के इंटर्न छात्रों को मिलेगा स्टाईपेण्ड पर महंगाई भत्ता

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वेटरनरी के इंटर्न छात्रों को देय स्टाईपेण्ड पर आयुर्वेद एवं मेडिकल इंटर्न छात्रों के समान महंगाई भत्ता दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब वेटरनरी के इंटर्न विद्यार्थियों को स्टाईपेण्ड के साथ-साथ महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा एलोपैथी तथा आयुर्वेद विभाग के इंटर्न विद्यार्थियों को स्टाईपेण्ड पर राज्य कर्मचारियों की भांति ही महंगाई भत्ता दिया जाता है, जबकि वेटरनरी के इंटर्न विद्यार्थियों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद अब वेटरनरी के इंटर्न विद्यार्थियों को भी स्टाईपेण्ड के साथ महंगाई भत्ता 1 अप्रेल, 2022 से मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा 2022-23 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप वेटनरी इंटर्न छात्रों को देय स्टाईपेंड 3500 रूपये से बढ़ाकर 14000 रूपये करने के आदेश पूर्व में जारी किये जा चुके हैं।

किसान अब किसी भी अधिकृत डीलर से अनुदान पर खरीद सकेगा कृषि आदान

स्वयं मोल-भाव भी कर सकेगा

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। राज्य के किसान अब अपनी इच्छानुसार किसी भी वैद्य अनुज्ञापत्रधारी विक्रेताओं से अनुदान पर किसी भी निर्माता कम्पनी का कृषि आदान खरीद सकता है। कृषक वैद्य डीलरों से स्वतंत्र रूप से स्वयं मोल-भाव भी कर सकेगा। कृषि विभाग के आयुक्त श्री कानाराम ने बताया कि कृषकों की सुविधा के लिए यह नई प्रक्रिया अपनाई गई है। इससे पूर्व काश्तकार केवल क्रय-विक्रय सहकारी समितियों तथा ग्राम सेवा सहकारी समितियों से ही पौध संरक्षण रसायन, बायो एजेन्ट्स, बायो फर्टिलाइजर्स तथा सूक्ष्म पोषक तत्व खरीद सकता था। इसके अतिरिक्त कृषि आदानों की रेट भी विभाग द्वारा ही तय की जाती थी। अब किसी भी वैद्य अनुज्ञापत्रधारी डीलर से किसान अपने गांव में ही तथा मोल-भाव करके सही कीमत पर कृषि आदानों की खरीद कर सकेगा। कृषि आयुक्त ने बताया कि यदि कोई कृषक कृषि आदानों की खरीद पर अनुदान का लाभ लेना चाहता है तो उसे कृषि पर्यवेक्षक अथवा सहायक कृषि अधिकारी को आवेदन करना होगा। कृषक को अनुदान की राशि का भुगतान सीधे उसके बैंक खाते में किया जायेगा। यह सम्पूर्ण प्रक्रिया राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन की जाती है। पौध संरक्षण रसायन, बायो एजेन्ट्स, तथा सूक्ष्म पोषक तत्व पर अनुदान रसायन की लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 500 रूपये प्रति हैक्टेयर देय होगा। बायो फर्टिलाइजर्स पर अनुदान रसायन की लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 300 रूपये प्रति हैक्टेयर मिलेगा। प्रति कृषक अधिकतम सीमा 2 हैक्टेयर होगी।

विधान सभा सचिवालय के विभिन्न पदों पर पदोन्नति

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने विधान सभा सचिवालय की विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर वर्ष 2022-23 की रिक्तियों के विरूद्ध नियमित चयन के उपरान्त विधान सभा सचिवालय के विभिन्न पदों पर 33 अधिकारी/कर्मचारियों को पदोन्नतियां प्रदान की है। विधान सभा सचिव श्री महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि विधान सभा सचिवालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार श्री पुरूषोत्तम शर्मा को वरिष्ठ उप सचिव दिनांक 01-10-2022 से व डॉ. राहुल पारीक, श्री अशोक कुमार शर्मा, श्री महेन्द्र तिवाडी, श्री संजीव कुमार शर्मा को उप सचिव एवं श्री लोकेश कुमार शर्मा, श्रीमती निधि अग्रवाल, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री दिनेश कुमार बासोतिया, श्री भगवान सिंह शेखावत को सहायक सचिव, श्री दिनेश कुमार राव, श्री करण सिंह यादव, श्री ललित त्रिवेदी, श्री बलवीर सिंह शेखावत, श्री शान्ति कुमार सैनी, श्री कृष्ण कुमार शर्मा, श्रीमती अनिता शर्मा को अनुभाग अधिकारी, श्री दिनेशचन्द पारीक, श्री अनलि राठौड, श्री फतेहलाल जनवा, श्री रवि कुमार जैन, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्रीमती अनिता कुलवाल, श्री रघुवीर भुषण दाधीच, श्री जुगल किशोर जोशी, श्री चतुर्भुज जागा, श्री नवीन दाधीच, श्रीमती माया तवंर, श्री महेश कुमार शर्मा को सहायक अनुभाग अधिकारी, श्री गोकुल चन्द वर्मा श्री देवी सिंह, श्री तारा चन्द बाटड, श्री प्रदीप वर्मा को क्लर्क ग्रेड प्रथम के पद पर पदोन्नत किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने की बजट घोषणाओं की समीक्षा

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता तथा आयोजना मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने 21 एवं 22 जुलाई को जयपुर के ओटीएस में आयोजित होने वाले चिन्तन शिविर के लिए मंगलवार को सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्रीमती भूपेश ने महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता तथा आयोजना विभाग से सम्बन्धित बजट घोषणाओं और जन घोषणा की क्रियान्विति की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने चिन्तन शिविर की तैयारियों के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। श्रीमती भूपेश ने बताया कि आगामी 21 और 22 जुलाई को होने वाले चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत सभी विभागों की समीक्षा करेंगे। बैठक में शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्री दिनेश कुमार यादव, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं श्री रामअवतार मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के 6 प्रमुख केंद्रीय बस स्टैंडों के रिपेयर संबंधित डीपीआर 15 दिन में करें तैयार- मुख्य सचिव

परिवहन विभाग की बजट घोषणा 2022-23 की 18 में से 12 घोषणाओं की क्रियान्वित पूर्ण

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की बजट घोषणा 2022-23 की 18 में से 12 घोषणाओं पर क्रियान्वित पूर्ण होना संतोषप्रद है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शेष बजट घोषणाओं की भी समयबद्ध क्रियान्वित सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की बजट घोषणा एवं जन घोषणा पत्र की प्रगति की समीक्षा के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहीं थीं।

श्रीमती शर्मा ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम से संबंधित लंबित बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए प्रदेश के 6 केंद्रीय बस स्टैंड सिंधी कैंप- जयपुर, जोधपुर, झुंझुनूं, अजमेर, उदयपुर और भरतपुर के रिपेयर से संबंधित डीपीआर 15 दिनों में तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाडनूं, मकराना- नागौर, एवं बानसूर- अलवर में जहां परिवहन निगम के स्वामित्व की भूमि नहीं है वहां भूमि संबंधी मुद्दों का शीघ्र हल निकाला जाए। बैठक में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न बजट घोषणाओं रोड सेफ्टी एक्ट, एचसीएम रीपा जयपुर में राज्य सड़क सुरक्षा इंस्टिट्यूट खोलने, जयपुर में एक अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय खोलने, इंटीग्रेटेड ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति, परिवहन विभाग में भर्तियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने जयपुर स्थित केंद्रीय बस स्टैंड सिंधी कैंप को मल्टीमॉडल इंटीग्रेटेड आईएसबीटी हब के रूप में विकसित करते हुए सीकर रोड, अजमेर रोड, आगरा रोड, टोंक रोड, दिल्ली रोड पर सेटेलाइट बस टर्मिनल के निर्माण के लिए चिन्हित भूमि के शीघ्र आवंटन के निर्देश जेडीए आयुक्त को दिए।

श्रीमती शर्मा में बैठक में लंबित जन घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा भी की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन एवं सड़क सुरक्षा श्री अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव पर्यावरण विभाग श्री शिखर अग्रवाल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम श्री संदीप वर्मा, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण श्री रवि जैन, आयुक्त परिवहन एवं सड़क सुरक्षा श्री कन्हैयालाल स्वामी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भर्ती परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए केरल और तमिलनाडु मॉडल का किया जाएगा अध्ययन - मुख्यमंत्री

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में भर्ती परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए केरल और तमिलनाडु राज्यों की भर्ती परीक्षा के मॉडल का अध्ययन कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही एक उच्च स्तरीय टीम दोनों राज्यों में जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त करेगी। इसके बाद राजस्थान में भी उसी पैटर्न पर भर्ती परीक्षाएं आयोजित कराने पर विचार किया जाएगा। श्री गहलोत को मंगलवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर भर्ती परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधारात्मक सुझाव देने के लिए गठित जस्टिस व्यास समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को राजकीय सेवाओं में नियुक्तियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाएं गोपनीयता के साथ आयोजित कराई जा रही हैं, फिर भी पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। ?सी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण होगा। श्री गहलोत ने कहा कि भर्ती परीक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रक्रिया में विश्वसनीयता बनाने के लिए सभी एजेंसियों द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा 30 जनवरी 2022 को राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री विजय कुमार व्यास की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन गया था। इसमें सेवानिवृत्त आईपीएस एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री एम.एल. कुमावत को सदस्य और कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया था। इस समिति द्वारा महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, केरल स्थित भर्ती परीक्षाओं के आयोग, बोर्ड, संस्थाओं के साथ आरपीएससी, अजमेर एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर की कार्यप्रणाली का भी अध्ययन किया गया। समिति ने अपनी रिपोर्ट में प्रश्न पत्र तैयार करने से लेकर, प्रिंटिंग, वितरण, परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाने के लिए आधारभूत संरचना, सुरक्षा एवं गोपनीयता संबंधी मापदंड, अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों का आवंटन, परीक्षा केंद्र अधीक्षक, परीक्षा के लिए जिला समन्वयक, सुपरवाइजर एवं वीक्षक की भूमिका एवं दायित्वों, कोताही की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई, उत्तरपुस्तिकाओं के लिए परिवहन व्यवस्था संबंधित कई सुझाव दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरो?ा एवं संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग श्री रामनिवास मेहता भी उपस्थित थे।

जयपुर में हथिनी ने टूरिस्ट पर किया हमला:सेल्फी लेने के दौरान मारी सूंड, बच्चा भी बाल-बाल बचा

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। जयपुर में मंगलवार सुबह 50 नंबर हथिनी ने एक पर्यटक पर सेल्फी लेने के दौरान हमला कर दिया। मुस्कान नाम की हथिनी ने पहले पर्यटक को अपने से दूकर करने के लिए सूंड से धक्का दे दिया। फिर उसके बच्चे की और बढ़ी। जिसे देख सड़क पर हड़कंप मच गया। घटना होने के तुरंत बाद आमेर महल के अधीक्षक पंकज धरेन्द्र ने हथिनी को रोस्टर से बाहर कर दिया। हथिनी के मालिक को मुस्कान का मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट लाने के तक महल आने पर रोक लगा दी है। स्थानीय निवासी मुकेश सैन ने बताया कि एक हथिनी के सामने सेल्फी लेने के दौरान हथिनी को सेल्फी नागवार गुजरी कि उसने पास से गुजर रहे पर्यटक को लात मार दी। मामला यहीं शांत नहीं हुआ। पर्यटक के साथ मौजूद दस साल के बच्चे को भी सूंड से धक्का मार दिया। बच्चा गिर गया, पैरों के नीचे कुचलने से बचा। इस हादसे के बाद भी? लग गई। बाद में हथिनी को वापस हाथी गांव भेज दिया गया। अब उसे मेडिकल जांच में रखा गया है। मेडिकली पूरी तरह फिट होने के बाद ही उसे वापस बेडे में शामिल किया जाएगा।

हथिनी मुस्कान का नम्बर है 50

मुस्कान अपने महावत के साथ सवेरे हाथी गांव से आमेर महल की ओर जा रही थी। करीब 9 बजे आमेर थाने के सामने से निकलने के दौरान एक पर्यटक हथिनी के सामने आ गया। वह सेल्फी लेता उससे पहले हथिनी को गुस्सा आ गया। वह आक्रामक हो गई। बाद में हथिनी को वापस आमेर स्थित हाथी गांव भेज दिया गया आमेर सवारी कराने वाले प्रबंधन का कहना है कि अब हथिनी का मेडिकल सर्टिफिकेट जारी होने के बाद ही उसे वापस बेडे में लिया जाएगा। जब तक वह अनफिट रहेगी तब तक उसे आमेर में नहीं लाया जाएगा। गौरतलब है कि हाथी गांव में वर्तमान में करीब सौ से भी ज्यादा हाथी रह रहे हैं। इनमें से करीब 89 को रोस्टर सिस्टम के आधार पर आमेर महल में सवारी के लिए लगाया जाता है।

हथियार के बल पर ज्वेलर्स की दुकानों में लूट की योजना बनाते 2 मुल्जिम गिरफ्तार

आरोपियों ने दुकानों एवं मकानों में चोरी की वारदातें कबूली

मनोहरपुर में सक्रिय नकबजन गिरोह का किया पर्दाफाश

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। थाना पुलिस ने कस्बे में हथियारों के बल पर ज्वेलर्स की दुकानों में लूट करने की योजना बनाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है थानाधिकारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि कस्बा मनोहरपुर व आसपास के क्षेत्र में रात्रि के समय लगातार चोरी व नकबजनी की घटनाएं तथा दुपहिया वाहन चोरी होने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। चोरी व नकबजनी की घटना का निरीक्षण करने से सभी घटनाएं एक तरीका वारदात से की गई। जिससे किसी नकाब जन गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी प्राप्त होने पर, कस्बा मनोहरपुर व आसपास के क्षेत्र में बढ़ रही चोरी व नकबजनी की घटनाओं को गंभीरता से देखते हुए व घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया। घटनाओं के संबंध में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए व रोकथाम के लिए रात्रि में जगह-जगह नाकाबंदी शुरू की गई। काफी प्रयासों के बाद दबिश दी जाकर सक्रिय नकबजन गिरोह के मनोहरपुर के खाकी शाह निवासी वसीम उर्फ गब्बर पुत्र हमीद शाह व शिकारपुरा निवासी प्रधान सिंह तंवर पुत्र जगदीश प्रसाद गुर्जर से पूछताछ की गई तो पूछताछ में वह अपने साथियों के साथ कस्बा मनोहरपुर व आसपास के क्षेत्र में दुकानों व मकानों में चोरी करना व वाहनों की चोरी करना स्वीकार किया व कस्बा मनोहरपुर में ज्वेलर्स की दुकानों में हथियारों के बल पर लूट करने की योजना का खुलासा किया है।

गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है, जिनसे और भी वारदातों का खुलासा होने की संभावना है गिरोह के अन्य साथी आरोपियों की तलाश जारी है वारदात का तरीका पुलिस ने बताया कि आरोपी रात्रि के समय में अंधेरे का फायदा उठाकर दुकान के पीछे से दीवार तोड़कर व थ?ीयों को तोड़कर उनमें से सामान व रुपए चोरी कर ले जाते थे इन वारदातों को दिया अंजाम थानाधिकारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया की रायसर इलाके से मोटरसाइकिल चोरी करना, बिशनगढ़ से दुकान को तोड़कर सामान चोरी करना, मनोहरपुर में दुकान को तोड़कर चोरी करना, खोरालाडखानी स्टैंड से दुकान को तोड़कर चोरी करना, मंगलम कॉलोनी मनोहरपुर में मकान से चोरी करना, दोसा पुलिया के पास दुकान से चोरी करना, व मनोहरपुर में ज्वेलर्स की दुकानों में से लूट करने की योजना बनाने की वारदातें आरोपियों ने कबूल की है।

गुरु पूर्णिमा पर होगी गुरुओं की पूजा

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरु पूर्णिमा के मौके पर भक्तजन अपने गुरुओं की विधिवत पूजा अर्चना करके आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। छारसा धाम में ऋषिकेशद्वाराचार्य संत छबिलेशरण, परमानंद कुंडा धाम में संत प्रहलाददास, डिलावरी धाम में संत रघुनंदन दास, भूतनाथ वाटिका में संत अर्जुन दास सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करेंगे।

टीएसपी संघर्ष समिति ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौपा ज्ञापन, सम्पूर्ण पिण्डवाड़ा तहसील को टिएसपी में सम्मिलित करने की रखी मांग

❒ मरूधर आवाज

पिंडवाड़ा। पिण्डवाड़ा मंगलवार पिण्डवाड़ा उपखंड क्षेत्र के सभी वंचित गांवो को टिएसपी मे सम्मिलित करने हेतु टीएसपी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों द्वारा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को दिया ज्ञापन। जानकारी के अनुसार मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सिरोही जिले मे आगमन के दौरान पिंडवा?ा मालेरा टोल प्लाजा पर टिएसपी संघर्ष समिति के अध्यक्ष धनाराम मीणा एवं संरक्षक मदन सिंह डाबी के नेतृत्व मे टिएसपी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओ द्वारा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात कर सम्पूर्ण पिण्डवा?ा तहसील क्षेत्र को टिएसपी मे सम्मिलित करने हेतु मांग की और ज्ञापन देकर अवगत करवाते हुए बताया की हमारा यह क्षेत्र टिएसपी मे सम्मिलित होने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित सभी नियमो शर्तो की पूर्ति करते हुए एवं सम्पूर्ण क्षेत्र अनुसूचित जनजाति बाहुल्य होने से भी टिएसपी मे सम्मिलित हो रहा है लेकिन फिर भी क्षेत्र की पिण्डवा?ा नगर पालिका सहित 57 गांवो को टिएसपी मे सम्मिलित होने से वंचित रखा गया और क्षेत्र वासियो से एक प्रकार सौतेला व्यवहार किया गया है जिससे यहा के युवाओ मे व आमजन मे रोष व्याप्त है जिससे संघर्ष समिति लंबे समय से क्षेत्र के पिण्डवा?ा नगर पालिका सहित वंचित 57 गांवो को टिएसपी मे सम्मिलित करने हेतु संघर्ष कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को निवेदन कर कहा की हमारी सम्पूर्ण पिण्डवा?ा तहसील को टीएसपी मे सम्मिलित करने मे सहयोग करे । इस मौके पर अध्यक्ष धनारामजी मीणा, संरक्षक मदन सिंह डाबी ,सचिव शंकर राजपुरोहित, पुखराज मीणा,एवं टीएसपी संघर्ष समिति के कई कार्यकर्तागण मौजूद थे।

पानी के बकाया बिलों की राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति में शत-प्रतिशत छूट की अवधि 30 सितम्बर तक बढाई

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश की नगरीय एवं ग्रामीण पेयजल योजनाओं के समस्त श्रेणी के उपभोक्ताओं के 31 दिसम्बर, 2021 तक के बकाया पानी के बिल (जल प्रभार शुल्क) की राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति (पेनल्टी) पर शत-प्रतिशत छूट देने की अवधि बढ़ाकर कर 30 सितम्बर, 2022 कर दी है। गौरतलब है कि पूर्व में ब्याज एवं शास्ति (पेनल्टी) में छूट की अवधि 30 जून 2022 तक थी, जिसे बढ़ाकर 30 सितम्बर, 2022 किया गया है। इस सम्बन्ध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से मंगलवार को आदेश जारी कर दिए गए हैं।

जोधपुर के सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय में खुलेगा फॉरेन्सिक साइन्स संस्थान

राज्य सरकार ने 15 एकड़ भूमि की आवंटित

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राष्ट्रीय फॉरेन्सिक साइन्स विज्ञान विश्वविद्यालय तथा सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सिक्योरिटी एण्ड क्रिमिनल जस्टिस द्वारा संयुक्त रूप से जोधपुर में फॉरेन्सिक साइन्स संस्थान खोला जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस परिसर में 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है। इसमें नए कैंपस के निर्माण तक यूनिवर्सिटी की वर्तमान बिल्डिंग तथा संसाधनों का उपयोग कर कुछ चयनित कोर्स अकादमिक सत्र 2022-23 से ही शुरू करने के लिए केन्द्र सरकार को लिखा है। साथ ही प्रदेश में संभागीय स्तर पर कुछ महाविद्यालयों को आने वाले समय में एनएफएसयू, राजस्थान से संबद्ध किये जाने का भी प्रस्ताव भी भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इससे पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य में फोरेन्सिक साइंस संस्थान की स्थापना से राज्य में अपराध एवं न्यायालयिक विज्ञान के क्षेत्र में क्षमता संवर्धन एवं अनुसंधान के नए आयाम स्थापित होंगे। साथ ही इससे आपराधिक न्याय प्रणाली में फोरेन्सिक विज्ञान के बढते महत्त्व को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता को बढावा मिलेगा।

गश्त कर रहे ग्रामीणों ने चोरों के मंसूबे किए फेल अज्ञात चोरों ग्रामीणों पर किया हमला कर मौके से हुए फरार

मनोहरपुर के तोपचीखाना इलाके में हुई घटना

❐ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। थाना इलाके क्षेत्र के तोपचीखाना में सोमवार रात्रि को अज्ञात चोरों ने चोरी के लिए मकान को निशाना बनाया किंतु ग्रामीणों की गश्त के चलते चोरों के समूह के मंसूबे फैल हो गए।वे ग्रामीणों पर हमला करके फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है थाना प्रभारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि तोपचीवाडा निवासी सिराज अहमद ने मामला दर्ज कराया है कि रात्रि में जावेद , वाहिद, सौहेल, फारुख व फैसल सहित अन्य ग्रामीण चोरी की घटना की रोकथाम के लिए सचेत होकर गश्त कर रहे थे। ये लोग 7 जुलाई को हुई चोरी की घटना के बाद में दहशत में थे इस दौरान करीब 8 चोरों का समूह दिखाई दिया चोर समूह को टोकने पर उन्होंने ग्रामीणों पर हमला बोल दिया। इस दौरान हाथापाई हुई वे मौके से नदी की और फरार हो गए इन अज्ञात चोरों ने सिराज अहमद के घर की खिड़कियों पर लोहे की रॉड , तेज धारदार हथियार से तोड़ने का प्रयास किया था।

नंदवाई ग्रामीण मंडल की कार्यसमिति बैठक हुई

❐ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड़/चितौड़गढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्षों की सोमवार को जारी हुई सूची में नन्दवाई मंडल से घनश्याम जोशी को मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा ग्रामीण मंडल नन्दवाई की कार्यसमिति बैठक में नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष जोशी का स्वागत किया गया। इस पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल कार्यसमिति की बैठक बिछोर में स्थित एक कृषि फार्म हाउस में जिला प्रमुख एवं पूर्व विधायक डॉ सुरेश धाकड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें भाजपा युवा मोर्चा नन्दवाई मंडल अध्यक्ष घनश्याम जोशी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत कर बधाई दी। इस दौरान नन्दवाई मंडल अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह चुण्डावत, जिला मंत्री शंकरलाल गुर्जर, शिवलाल धाकड़, शंकरलाल धाकड़, जिला परिषद सदस्य छोटूलाल मीणा, महामंत्री पप्पूलाल धाकड़, सरपंच भगुता लाल गुर्जर, गोपाल रेगर, पूर्व सरपंच चन्द्रप्रकाश वैष्णव, कोमल शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्राम पंचायत थानेटा में सीएलजी की बैठक का किया आयोजन

❐ मरूधर आवाज

भीम (लोकेशसिंह)। भीम उपखण्ड थानेटा में सीएलजी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव लाल बेरवा पुलिस उपाध्यक्ष राजेंद्र राठौड़ एसएचओ गजेंद्र सिंह संतोष सिंह ग्राम विकास अधिकारी द्वारा ग्रामीणों को समझाया गया की व्हाट्सएप के जरिए गलत मैसेज नहीं करें युवा पीढ़ी को गलत संगति से जाने से रोके जिसमें ग्रामवासी ईश्वर सिंह सरदार सिंह मोहन सिंह प्रभु सिंह रतन सिंह नारायण सिंह रणजीत सिंह कैलाश सिंह गोविंद सिंह मनमोहन सिंह हरि सिंह भगवान सिंह ग्रामवासी उपस्थित रहे

टोंक जेल चौथ बसूली के मुख्य आरोपी कैदी गिफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा मे जेल भेजे गए

❐ मरूधर आवाज

टोंक। टोंक जेल मे तत्कालीन जेल अधिकारीयों की मिली भगत से अन्य हवालाती बंदियों से चौथ बसूली करने वाले जेल के कैदीयो को अंतत:ह थाना कोतवाली टोंक पुलिस ने गिरफ्तार कर आखिर इस प्रकरण मे जेल भेज ही दिया ज्ञात हों की पिछले वर्षो मे इनके खिलाफ टोंक जेल मे चौथ बसूली का खुलासा करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के वकील राजेंद्रसिंह तोमर राजा भईया ने कोर्ट के आदेश से एक मुकदमा दर्ज कराया था और एक अन्य मुकदमा उनकी ही शिकायत पर अलग से तत्कालीन आई जी जेल आलोक वशिस्ठ जी की अनुशंसा और जाँच के बाद थाना कोतवाली टोंक मे मु. न. 130/21 भी अलग से दर्ज किया गया था जिसमे एस ओ जी जयपुर की पुलिस टीम ने जाँच कर रिपोर्ट दी थीं की आरोपियों व उनके परिजनों के जो नम्बर एडवोकेट तोमर द्वारा उपलब्ध कराये गए थे जिनमे ये लोग फोन पे व पेटीएम द्वारा अन्य बंदियों व उनके परिजनों से चौथ बसूली की रकम डलवाते थे उनमे एक वर्ष मे लगभग सताईस लाख रूपये का लेन देना होना साबित पाया था तब टोंक जेल मे बंद इन आरोपी कैदी मेघराज जाट और राम पांडे को स्पेशल सेन्ट्रल जेल स्यालाबास दौसा ट्रांसफर कर दिया था बाद मे वहाँ से मेघराज जाट जुगत लगा कर ओपन जेल सांगानेर जयपुर चला गया था लेकिन शिकायतकर्ता वकील ने हार नही मानी और लगातार इस मामले मे वरिष्ठ पुलिस व जेल अधिकारीयों को शिकायतें करते रहें अंत तह उनकी मेहनत रंग लाई और उपरोक्त एक मुकदम्मे मे थाना कोतवाली टोंक के जाँच अधिकारी एस आई ओमप्रकाश गौरा ने पुलिस अधीक्षक टोंक के सुप्रविजन मे इन दौनो केदियों को कल दौसा जेल और संगानेर ओपन जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर टोंक की संबन्धित कोर्ट मे पेश किया जहाँ से दौनो कैदीयो को न्यायिक अभिरक्षा मे कोर्ट ने जेल भेजनें के आदेश दे दिए तीसरा आरोपी राजेश चायवाला जमानत पर छूट चूका है और अभि इस प्रकारण मे फरार है एक अन्य आरोपी कमलेश खंडेलवाल डेरी वाले को पुलिस इस प्रकारण मे पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है इनमे मेघराज जाट पहले ही आजीवन कारावास और राम पांडे दस वर्ष के कारावास की सजा भुगत रहें है ।

एडवोकेट तोमर द्वारा दर्ज दूसरा मामला सीजेएम कोर्ट के आदेश से एसीबी या विशेष पुलिस यूनिट को ट्रांसफर कर कार्यबाही करने हेतु पुलिस अधीक्षक टोंक को भेजा जा चूका है उपरोक्त बाबत सूचना आज स्वयं एडवोकेट राजेंद्रसिंह तोमर ने प्रेस नोट जारी करते हुए पत्रकारों को दी जिसकी पुस्टि थाना टोंक पुलिस ने भी की है।

रायता गांव से बेगूं थाना पुलिस ने किया अवैध अफीम डोडाचूरा बरामद

❐ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड़/ चितौड़गढ़। जिले के बेगूं क्षेत्र के रायता ग्राम के एक घर के बाहर खड़ी एक कार से बेगूं थाना पुलिस ने 47 किलो अवैध अफीम डोडाचूरा बरामद कर कार को जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत बेगूं थाना पुलिस ने रायता ग्राम के एक घर के बाहर खड़ी एक कार से 47 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद कर कार को जब्त किया है। बताया गया कि 11 जुलाई सोमवार को कांस्टेबल श्रीभान सिंह बीट क्षेत्र में जांच परिवाद एवं तामिले करवा रहा था। इस दौरान रायता तिराहे पर एक घर के आगे एक कार संख्या आर जे 09 सीसी 3511 खड़ी पाई गई, जिसके समीप एक व्यक्ति ख?ा था, जो बावर्दी पुलिस जवान को देखकर भाग गया, इस पर पुलिस जवान द्वारा उक्त व्यक्ति का पीछा किया गया, लेकिन उक्त व्यक्ति घर की छत पर च?कर भागने में सफल रहा। इस पर पुलिस जवान द्वारा कार की तलाशी ली गई। इस पर कार लॉक मिली, तथा उसमें तीन प्लास्टिक के कट्टों में अवैध अफीम डोडाचूरा पाया गया। पुलिस जवान की सूचना पर बेगूं थानाधिकारी मय जाब्ता मौके पर पहुँचे। इस पर पुलिस टीम द्वारा कार से

तीनों कट्टों को बाहर निकाल कर जांच की गई, तो उसमें तीनों कट्टों में अवैध अफीम डोडाचूरा बरामद हुआ, जिनका इलेक्ट्रॉनिक कांटे से वजन किया गया जो 47 किलो 660 ग्राम पाया गया। भागे हुए व्यक्ति के घर मे घुसने के सम्बंध में जानकारी पता की गई, तो मकान मालिक भूपेश पिता छीतर धाक? निवासी रायता थाना बेगूं होना ज्ञात आया। इस दौरान कार की तलाशी में डेशबोर्ड में एक मोबाईल, पेनकार्ड, महेश कुमार पिता हीरालाल के नाम की एचडीएफसी बैंक की चैकबुक, एचडीएफसी बैंक का प्लेटिनम एटीएम कार्ड बरामद किया। इस पर पुलिस टीम द्वारा बरामद 47 किलो 660 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा कार सहित जब्त कर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर कार से बरामद दस्तावेजों के आधार पर आरोपी की तलाश में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौपा

❐ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड़/ चित्तौड़गढ। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश सभाध्यक्ष अरविन्द व्यास एवं जिला अध्यक्ष रमेश चन्द्र पुरोहीत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधि मण्डल ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के नाम ज्ञापन सौप कर वार्ता की। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला मंत्री प्रकाश चन्द्र बक्षी ने बताया कि लम्बे समय से बकाया चल रहे कुक कम हेल्पर का मानदेय, विद्यालयों की बकाया कर्वजन राशि के भुगतान एवं अन्य शिक्षक समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौप कर एडीएम (प्रशासन) गितेश मालवीय से वार्ता की गई। वार्ता के दौरान प्रदेश सचिव (माध्यामिक शिक्षा) रमेश चन्द्र पुष्करना ने बताया कि विद्यालयो में कुक कम हेल्पर का पिछले 12 माह का मानदेय एवं मार्च 2022 से कन्वर्जन राशि का भुगतान नहीं होने से कार्यक्रम संचालन में आ रही परेशानियों को बताया और कहा कि बिना भुगतान के इस कार्यक्रम को निरन्तर चालु रख पाना संभव नही होगा। संगठन की वाजिब मांग पर वार्ता के दौरान ही एडीएम मालवीय ने जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक शिक्षा) को तुरंत भुगतान के निर्देश प्रदान किये। जिला संगठन मंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत ने भी शिक्षकों की अन्य समस्याओ को रखा। नि:शल्क पाठयपुस्तक वितरण, नोशनल लाभ एवं समग्र शिक्षा के मदों में

अव्यय राशि के पुन: जमा करवाने में आ रही व्यवहारिक समस्याओं एवं अन्य शिक्षक समस्याओं को लेकर को लेकर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चित्तौ?ग? के नाम एक ज्ञापन सौप कर एडीपीसी प्रमोद दशोरा एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा राजेन्द्र कुमार शर्मा से वार्ता की। वार्ता में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण के प्रथम चरण हुई अव्यवस्था एवं शिक्षकों के साथ उचित व्यवहार नहीं होने पर संगठन ने आक्रोश व्यक्त करते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की गई। संगठन के पदाधिकारियो ने पुस्तकें वितरण के लिये शिक्षको को जिला मुख्यालय पर नहीं बुलाकर पाठय पुस्तक मण्डल से पुस्तकें सीधे ही पंचायत मुख्यालय पर पहुँचाने की मांग की। निदेशालय का आदेश भी इसी प्रकार का है। स्थाईकरण एसीपी प्रकरण, मीड-डे-मिल एवं नोशनल लाभ देने सम्बन्धि मामलों पर चर्चा की गई। वार्ता के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक शिक्षा) राजेन्द्र कुमार शर्मा ने कुफ कम हेल्पर के मानदेय भुगतान की नोट शीट जिला परिषद ने पेडिंग होना बताया और कहा कि वहाँ से स्वीकृति मिलते ही विद्यालयों के खाते में आन्तरित कर दी जायेगी। वार्ता में प्रदेश सभाअध्यक्ष अरविन्द व्यास, प्रदेश सचिव रमेश चन्द्र सुष्करणा, जिला अध्यक्ष रमेश चन्द्र पुरोहित, जिला संगठन मंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत, जिला मंत्री प्रकाशचन्द्र बक्षी, जिला कोषाध्यक्ष नर्बदा शंकर पुष्करना, सुशील लड्ढा, डीईईओ (प्रा.शि.) के प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सोनावा, पाठ्य पुस्तक मण्डल के प्रतिनिध सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

माउंट आबू आगमन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का मालेरा टोल प्लाजा पर भव्य स्वागत

❐ मरूधर आवाज

पिण्डवाड़ा। दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पिण्डवा?ा आगमन पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। आबू पिण्डवा?ा विधायक समाराम गरासिया ने जेपी नड्डा को तीर कमान भेंट कर स्वागत किया। वही भाजपा महामंत्री कमलेश राजगुरु द्वारा पुष्प हार पहनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत बहुमान किया गया।महामंत्री कमलेश राजगुरु के साथ में काफी युवाओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत समारोह में भाग लिया। जानकारी अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा के माउंट आबू में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेने उदयपुर से स?क मार्ग द्वारा माउंट आबू रवाना हुए जहा पिण्डवा?ा

भाजपा मंडल द्वारा पिण्डवा?ा निकटवर्ती मालेरा टोल प्लाजा पर उनका भव्य स्वागत हुआ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की पुष्प वर्षा

उदयपुर से जैसे ही जेपी नड्डा का मालेरा टोल प्लाजा पर आगमन हुआ तो हजारों की संख्या में मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर पुष्प वर्षा कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया।

स्वागत में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जालौर सिरोही सांसद देवजी एम पटेल,जिला प्रमुख अर्जुन पुरोहित,आबू पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया,जितेन्द्र प्रजापत नगर पालिका अध्यक्ष,घरट पूर्व सरपंच रमेश रावल,पिण्डवा?ा नगर मंडल अध्यक्ष महावीर यति,भाजपा महामंत्री कमलेश राजगुरु,जिला परिषद सदस्य किरण पुरोहित, एसटीएसटी जिला अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल,टिएसपी संघर्ष समिति अध्यक्ष धनाराम मीणा,अशोक मेवाडा, भाजपा महामंत्री त्रिलोक प्रजापत,रमेश मुमल,कमलेश गर्ग,नरपत सिंह राणावत,मोरस पूर्व सरपंच सरमाराम गरासिया, रतन गरासिया,प्रदिप भांड,सहित कई भाजपा कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

सम्पादकीय

विविधता के सम्मान से ही आएगी शांति

पिछले दिनों प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने कहा कि न्यायालय और न्यायाधीश केवल संविधान के प्रति उत्तरदायी हैं, पक्ष या विपक्ष के प्रति नहीं। इसका सूक्ष्म विश्लेषण कानून के जानकार अपनी-अपनी तरह से कर रहे हैं, लेकिन सामान्य नागरिक आज भी न्यायमूर्ति एचआर खन्ना और जगमोहन लाल सिन्हा को याद करता है। वे साहस, समझ और संविधान के प्रति अटूट निष्ठा के लिए सदा सराहे जाते रहेंगे। प्रधान न्यायाधीश के वक्तव्य के ठीक एक दिन पहले जिस प्रकार की टिप्पणियां सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ ने कीं, उनसे देश में तमाम सजग और सतर्क नागरिकों के कान खड़े हो गए। क्या ये टिप्पणियां आवश्यक, उचित और न्यायसंगत थीं? विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों और निर्णयों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रवाह त्वरित गति से चलता ही रहता है, मगर न्यायपालिका की ओर से कहा गया हर शब्द, हर निर्णय सर्वमान्य के अतिरिक्त कुछ हो ही नहीं सकता है। अपने देश में तो पंच को परमेश्वर माना गया है। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष सभी को नतमस्तक होना है। यही न्याय व्यवस्था की संपूर्ण स्वायत्तता का परिचायक है। भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा को लगाई गई फटकार की आलोचना कई सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा की गई है। जनसामान्य यह समझ नहीं पा रहा है कि वह इस पर क्या कहे। सभी के अपने-अपने विचार हैं, जो वे आपस में बांट रहे हैं, मगर स्थिति की संवेदनशीलता के कारण चुप रह जाना ही पसंद कर रहे हैं। वहीं राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से बंधे लोग अपनी-अपनी पार्टी लाइन के अनुसार आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। उदयपुर की बर्बर घटना को भी अपनी दलगत राजनीति में घसीट लेना यही दर्शाता है कि देश की राजनीति में नैतिकता, सेवा, सद्भाव और राष्ट्र के प्रति समर्पण अब सिर्फ विशेष अवसरों पर प्रयुक्त होनेवाले शब्द मात्र रह गए हैं। नुपुर शर्मा के संबंध में तो यह तक कहना अनुपयुक्त माना जा रहा है कि उन्हें अपना पक्ष रखने और यह बताने का अधिकार है कि किन परिस्थितियों में और किस आधार पर उन्होंने वह कहा, जिसका अवांछित तत्वों ने देश ही नहीं, विदेश में भी भारत के विरुद्ध माहौल बनाने में बेशर्मी से दुरुपयोग किया। यह क्यों भुला दिया गया कि नुपुर ने यह कहा था कि मेरे देवी-देवताओं का अपमान न करें, अन्यथा मुझे भी उसी तरह उत्तर देना होगा। न्याय की पूरी प्रक्रिया का पालन तो अजमल कसाब जैसे आतंकी के लिए भी किया गया था। न्यायिक प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर किसी न्यायमूर्ति ने सुनवाई समाप्त होने के पहले उसे अपराधी घोषित नहीं किया। यह उच्चतम न्यायालय को बताना चाहिए कि उसकी पीठ को अपनी अलिखित चर्चा में एक तरह का निर्णय सुनाने की आवश्यकता क्यों पड़ गई? नुपुर शर्मा को देश से माफी मांगने के लिए कहा गया। क्षमा मांगना सभी के लिए सदा उपयोगी होता है। व्यक्ति किसी भी आयु का हो, किसी भी पद पर हो, कितनी ही प्रतिष्ठा प्राप्त हो, कितना ही विशिष्ट हो, क्षमा मांग कर अपनी गलती सुधार सकता है। 21वीं सदी में सभ्य समाज तो वही होगा, जहां विविधता का सम्मान होगा। अंतर्मन से यह मानना होगा कि जिस प्रकार मेरा पंथ मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ है, उसी प्रकार मेरे पड़ोसी का पंथ भी उसके लिए उतना ही सही और श्रेष्ठ है। शिक्षा व्यवस्था को इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने का उत्तरदायित्व उठाना होगा। साथ-साथ मिलकर रहना सीखना इस समय पूरे विश्व के समक्ष चुनौती है। इसमें सबसे पहले पंथिक विविधता ही आड़े आती है। यह कैसी विडंबना है कि देश के बाहर जन्मा आतंकवाद वहीं से सोची-समझी दीर्घकालीन रणनीति के आधार पर भारत को हजार जख्म दे रहा है। भारत में पंथिक वैमनस्य के बढने के दो ही मुख्य कारण हैं। पहला, दलगत राजनीति में लगातार बढ़ती स्तरहीनता और सेवाभाव तथा मानवीय मूल्यों का क्षरण। दूसरा, मुस्लिम समुदाय का आधुनिक शिक्षा के प्रति अलगाव बनाए रखना और इस शिथिलता के लिए अन्य को जिम्मेदार ठहराना। शिक्षा के प्रति मुस्लिम समाज की अन्यमनस्कता से उसी समाज के प्रबुद्धजन कभी अनभिज्ञ नहीं रहे। वर्ष 1878 में सर सैयद अहमद खान ने कहा था कि यूरोपीय विज्ञान और साहित्य से मुस्लिम समाज ने सबसे कम लाभ लिया है। वर्ष 1882 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव काउंसिल से जुड़े शिक्षा आयोग के समक्ष उन्होंने कहा था कि कलकत्ता विश्वविद्यालय के स्नातक और विधि उपाधि पाने वाले मुस्लिम युवाओं की संख्या 705 में आठ और 235 में तीन थी। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि गांधी जी की बुनियादी तालीम वाली बात मुस्लिम समाज के एक बड़े वर्ग को स्वीकार्य नहीं थी, जिसका अंतिम स्वरूप डा. जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में बना था। आल इंडिया मुस्लिम कांफ्रेंस के दिसंबर 1945 के आगरा सम्मलेन में नवाबजादा लियाकत अली खान ने वर्धा स्कीम को मुस्लिमों के ईमान और इस्लाम की राष्ट्रीयता की अवधारणा को जड़-मूल से उखाड़ने का प्रयास बताया था।

> 21वीं सदी में सभ्य समाज तो वही होगा जहां विविधता का सम्मान होगा। अंतर्मन से यह मानना होगा कि जिस प्रकार मेरा पंथ मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ है उसी प्रकार मेरे पड़ोसी का पंथ भी उसके लिए उतना ही सही और श्रेष्ठ है।

नई सुबह की प्रतीक्षा में श्रीलंका

राजपक्षे माडल के दुष्परिणाम एकाएक दूर नहीं होंगे, पर बदल सकते हैं हालात

> कोविड महामारी ने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ पर्यटन को ध्वस्त कर दिया। उसी दौर में राजपक्षे सरकार ने तुगलकी फरमान जारी कर रासायनिक उर्वरक पर प्रतिबंध लगा दिया और प्राकृतिक खेती पर जोर

श्रीलंका के सत्ता प्रतिष्ठान पर पूरी तरह हावी हो गए राजपक्षे परिवार का पतन और जनता के आक्रोश एवं कोप से बचने के लिए राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे का रफूचक्कर हो जाना इस द्वीपीय देश की राजनीति में एक युग की समाप्ति का स्पष्ट संकेत है। अरगला भूमिया (सिंहला भाषा में राष्ट्रीय संघर्ष) ने इस परिवार को सत्ता से खदेड़ दिया है। जबकि पिछले कुछ समय से वहां इसी कुनबे की तूती बोलती रही थी। उन्हें कुछ उपनाम भी मिल गए थे। जैसे राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को टर्मिनेटर कहा जाने लगा। पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को द चीफ का खिताब मिला। वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे मिस्टर टेन परसेंट के रूप में कुख्यात हुए। कृषि मंत्री चामल राजपक्षे द बाडीगार्ड और खेल एवं युवा मामलों के मंत्री नमल राजपक्षे को शहजादा कहा जाने लगा। यह तो मंत्रालयों पर काबिज लोगों की कहानी है। इस परिवार ने अन्य प्रमुख पदों पर भी अपने करीबियों को ही बैठा दिया था। अब जनता ने उन्हें इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है। इसे एक प्रकार के गिरोह का सफाया ही कह सकते हैं, क्योंकि अयोग्य और भ्रष्ट परिवारवादी राजनीति ने श्रीलंका में शासन को अक्षम और गैर-जिम्मेदार बना डाला था। इस समय श्रीलंका में त्राहिमाम की स्थिति है। महंगाई दर 80 प्रतिशत के आसमानी स्तर पर है। खाद्यान्न, ईंधन और दवाइयों जैसी तमाम आवश्यक वस्तुओं की भारी किल्लत है। विदेशी मुद्रा भंडार खाली है। इस अराजकता के लिए राजपक्षे परिवार के निरंकुश शासन और बेतुके रवैये को ही जिम्मेदार माना जा रहा है। कोविड महामारी ने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ पर्यटन को ध्वस्त कर दिया। उसी दौर में राजपक्षे सरकार ने तुगलकी फरमान जारी कर रासायनिक उर्वरक पर प्रतिबंध लगा दिया और प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। इससे न केवल कृषि उत्पादन घटा, बल्कि कृषि पर निर्भर श्रीलंका की 27 प्रतिशत आबादी भी तंगहाल हो गई। इन तुगलकी नीतियों का कोई प्रतिरोध नहीं हुआ, क्योंकि कृषक वर्ग, मीडिया, नागरिक समाज और न्यायपालिका पर सरकार ने जबरदस्त अंकुश लगाया हुआ था। तमिल चरमपंथ के समय से भी ज्यादा निरंकुशता राजपक्षे परिवार ने हाल के समय में दिखाई। जब जनहितों की घोर अनदेखी होने लगी तो लोगों को पानी सिर से ऊपर जाते हुए दिखने लगा। उनके सब्र का बांध टूट गया। जब देश पर कर्ज का बोझ खतरे की घंटी बजा रहा था, तब राजपक्षे परिवार अर्थशास्त्रियों की चेतावनियों की अनदेखी कर रहा था। खाली राजकोष से बेपरवाही दिखाते हुए विभिन्न करों में कटौती की घोषणा कर दी गई। सरकार के ऐसे लोकलुभावन कारनामों के कारण करदाताओं की संख्या में दस लाख की कटौती हो गई। श्रीलंका जैसे छोटे देश के लिए यह बहुत बड़ी कटौती थी। इसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में श्रीलंका की साख गिरनी शुरू हो गई। कर्ज संकट की चरमसीमा पार हो रही थी, फिर भी महीनों तक ब्याज का भुगतान जारी रखा गया। जब नैया डूब रही हो, तब यदि शासक स्वयं को सबसे बुद्धिमान और काबिल नाविक समझकर मनमर्जी से चप्पू चलाए तो नतीजा प्रलय ही हो सकता है। यही श्रीलंका के साथ हुआ। राजपक्षे परिवार ने न केवल घरेलू नीतियों मे भारी गलतियां कीं, बल्कि विदेश नीति में भी चीन को भरोसेमंद समझकर अपने लिए एक बड़ी खाई खोद डाली। एक समय दक्षिण एशिया में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था सबसे बेहतर स्थिति में थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद राजपक्षे परिवार ने बिना सोचे-समझे चीन से भारी-भरकम कर्ज लेकर बुनियादी ढांचे पर पानी की तरह पैसा बहाया। इसके पीछे चीन से बड़े अनुबंधों की आड़ में रिश्वत लेने और भारत जैसी लोकतांत्रिक शक्ति के कथित दबाव से मुक्त होने की चाल भी थी। वास्तव में चीनी सहयोग श्रीलंका को गर्त मे धकेल रहा था और उसकी संप्रभुता का खात्मा करने पर भी तुला था, फिर भी राजपक्षे इस साल अप्रैल तक यही आस लगाए बैठे रहे कि इस मुश्किल घड़ी में चीन ही उनकी नैया पार लगाएगा। जून में जब समूचा देश विरोध-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हो उठा तो चीन ने कर्ज माफी या वित्तीय सहायता देने से इन्कार कर दिया। तब गोटाबया राजपक्षे ने यह बेतुका दावा किया कि चीन ने अपना रणनीतिक ध्यान दक्षिण पूर्व एशिया में स्थानांतरित कर दिया है। फिलीपींस, वियतनाम और कंबोडिया के अलावा अफ्रीका में उसकी दिलचस्पी बढ़ गई है। यहां तक कि पाकिस्तान पर भी ध्यान कम हो गया है। असल में यह बयान मूल मुद्दे से ध्यान हटाने की मंशा से दिया गया। दरअसल राजपक्षे परिवार चीन के उपनिवेशवादी कर्ज जाल की अनदेखी अंत तक करता रहा। अगर श्रीलंका में स्वतंत्र संस्थान, लोकतांत्रिक नियंत्रण और संतुलन के साथ नीतियों पर बहस की संस्कृति बनी रहती तो उसका जो हश्र हुआ, वह नहीं होता। वेनेजुएला, लेबनान, सूडान और जिंबाब्वे जैसे विफल देशों की सूची में श्रीलंका शामिल नही होता, अगर वहां निरंकुशता और सांप्रदायिक असहिष्णुता के नासूर ने सब कुछ खोखला न किया होता। राजपक्षे परिवार ने सिंहला बौद्ध कट्टरवाद और दबंग शासक की छवि के माध्यम से ही श्रीलंका पर अपना राजनीतिक वर्चस्व स्थापित किया था। उन्होंने स्वयं को सिंहला बहुसंख्यक समुदाय के एकमात्र रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया। यह काम नहीं आया। आज श्रीलंका के सभी नस्लीय और धार्मिक समुदाय एकजुट होकर सड़कों पर उतर आए हैं और जवाबदेह सरकार की मांग कर रहे हैं। 1948 में स्वतंत्र होने के बाद सबसे भयावह आर्थिक संकट ने लोगों की आंखें खोल दी हैं। उन्हें समझ आ गया कि पहचान की राजनीति और नस्लीय प्राथमिकता के नाम पर उन्हें बरगलाया गया। अरगला भूमिया आंदोलन में समाज के प्रत्येक वर्ग और जातीय समूह की हिस्सेदारी है। यह आंदोलन श्रीलंका को सुशासन की नए दिशा की ओर उन्मुख करने पर जोर दे रहा है। श्रीलंका आज ऐसे मुकाम पर है, जब वहां के आभिजात्य वर्ग की पोल खुल गई है। वहां पुरानी व्यवस्था के खंडहर पर नई रचना का निर्माण होना शेष है। एक कहावत है कि चीजें बेहतर होने से पहले खराब होनी चाहिए। राजपक्षे माडल के दुष्परिणामों का असर आनन-फानन में कम नहीं किया जा सकता, परंतु सामाजिक जागरूकता, राजनीतिक नेतृत्व की परिपक्वता और भारत जैसे हितचिंतकों के परामर्श एवं सहयोग से श्रीलंका को नया सूर्योदय देखने को मिल सकता है।

पृथ्वी सहित तमाम ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं

महान अन्तरिक्ष वैज्ञानिक और विचारक गैलिलियो गैलिली ने दूरबीन का आविष्कार करने के बाद,अन्तरिक्ष में झांककर जब दुनियां को बताया कि सूर्य पृथ्वी के चारों ओर नहीं,बल्कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घुमती है उनके शोध के विषय में पुस्तक प्रकाशित होते ही समस्त संसार में भारी उत्पात मच गया और उनका सबसे बड़ा दुश्मन,पोप और इसाई मिशनरीज़ बन गयी, संसार की इसाईयत उनका विरोध करने लगे क्यों गैलिलियो का ये सिद्धांत सम्पूर्ण इसाई धर्म की नीव हिलाने के लिए काफी था ,क्योंकि इसाई धर्म के अनुसार पृथ्वी ब्रहम्मांड का केंद्र है,और सूर्य इसके चारों ओर चक्कर काटता है,साथ ही पृथ्वी स्थिर है जबकि गैलिलियो का विचार ठीक इसका उल्टा था,जिससे इसाई धर्म के मूल सिद्धांतों और धार्मिक पुस्तक बाइबल की विश्वसनीयता और सत्यनिष्ठ प्रभावित हो रही थी,सो विरोध तो होना ही था.

विश्व में गैलिलियो की पुस्तकें और पांडुलिपियाँ जलाई गयी, उग्र आन्दोलन के द्वारा भी विरोध किया गया, पोप ने गैलीलियो पर पुस्तक प्रकाशित करने पर रोक, प्रकाशित पांडुलिपियाँ वापस लेने, अपने सिद्धांत से मुकरने और सार्वजनिक माफ़ी मांगने का दवाव डाला गया। पर गैलीलियो अपने सिद्धांत पर डटे रहे, तब विरोध और उग्र हुआ, पोप के कहने पर, अदालत में मुकदमा प्रारम्भ हुआ, गैलीलियो को अपार यातनाएं दी गयीं पर एक बूढ़ा विचारक कब तक अडिग रहता, आखिर नौबत फांसी लगने की आने लगी तब ...! गैलीलियो जब अदालत में हाज़िर किया गया, तो उस बूढ़े विचारक ने बड़े पते की बात कही- बिलकुल वास्तविक...परन्तु अकाट्य सत्यज्.

आदरणीय जूरी के सदस्योंज्ज्!

मै गैलीलियो गैलिली - आप लोगों के अनुसार, अपने शोध एवं सिद्धांत वापस लेता हूँ, और आपके अनुसार घोषणा करता हूँ, कि मेरे सिद्धांत और

विचार सत्य नहीं थे, मै तो पागल थाज्..जो इतने दिनों बेकार ही यातना सहता रहा, बेकार बकवास झक मारता रहा, मै अपने विचार वापस लेता हूँ, और ये भी घोषणा करता हूँ, कि पृथ्वी के चारों ओर सूर्य घूमता है, और पृथ्वी स्थिर है, जैसा कि बाइबल में लिखा हैज्ज्.मेरे विचार बकवास, और एक बूढ़े आदमी के सड़े दिमाग की उपज मात्र थी कृपया मेरी भूल के लिए मुझे माफ़ करें !

परंतु एक बात फिर भी कहता हूँ, कि जैसे आपके कहने पर मैंने मान लिया, कि सूर्य ही पृथ्वी के चारो ओर घूमता है, मेरा सिद्धांत गलत था मगर सूर्य नहीं मानेगा आपके कहने से वो नहीं घूमेगा पृथ्वी के चारो ओर.. न पृथ्वी आपके कहने से स्थिर हो जायेगा, जैसा कि आपके भय से मैंने कह दिया पर न सूरज आपका कहना सुनेगा, न हीं पृथ्वी आपकी बात मानेगी क्योंकि आप उन्हें न तो दंड दे सकते है, न फांसी पर लटका सकते है, न वे आपसे भयभीत हैं न हीं कभी आप उनको डरा धमका सकते हैं.... सो घूमेगी पृथ्वी ही सूर्य के चारो ओर....

आप चाहे जो करले पर आपके कहने से, मै अपनी बात वापस लेता हूँ.... क्योंकि मेरे कहने से भी वे अपना परिभ्रमण बंद नहीं कर सकते, वे तो घूमते रहेंगे पर मै मान लेता हूँ, जैसा आप कहते हैं, बाइबल कहती हैज्. वही सत्य हैज्.. मेरे आपके कहने से कोई अंतर नहीं पड़ने वाला....

तब पोप ने, अदालत ने, और राजा-प्रजा ने सोचा विचार कियाज्.. चलो गैलीलियो स्वयं तो स्वीकार कर रहा हैं कि वो गलत था, बाइबल सही है.... इतना ही काफी है, कुछ तो लाज बच रही है वर्ना तो उन्हें लगता था कि गैलीलियो अपनी सत्यता के लिए जान दे देगा, पर सिद्धांत को अमर कर जायेगा, सो इतना ही काफी है भले ही पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घुमती रहे.... बता कौन किसे रहा है... कुछ तो लाज बची।

गैलीलियो ने कहा था आज भी सूर्य के चारों ओर पृथ्वी ही घूम रही है, कितने पोप आये और चले गए, कितने सत्ताधारी विश्व विजेता आये और चले गए, पर कोई भी शक्ति सूर्य को पृथ्वी के चारों ओर नहीं घुमा पायी, अकेले गैलीलियो के आगे समस्त इसाईयत, समस्त शक्ति हार गयी पर आज भी पृथ्वी ही घूम रही है सूर्य के चारों ओर...और सदियों -शताब्दियों तक घुमती रहेगी, और अमर रहेगा गैलीलियो का सिद्धांत! ये है सत्य.

सत्य सदैव जिंदा रहता है, आज गैलीलियो का सिद्धांत प्रमाणिक हो चूका है जो पोप और चर्च गैलीलियो के सिद्धांत व विचारों का विरोध कर रहे थे आज सैकड़ों सालों के बाद उसी चर्च में वर्ष 2008 को गैलीलियो की मूर्ति स्थापित की गयी है और उसी चर्च ने गैलीलियो के सिद्धांत को मान्यता दी है।

वर्तमान पोप ने पूर्व में गैलीलियो के साथ किये गए अमानुषिक अत्याचार के लिए सार्वजनिक माफ़ी भी मांगी हैं।

विनय कुमार सिंह

प्रशासनिक 'वर्ण व्यवस्था' : इसका इलाज भी तो बताएं गृह मंत्री...

केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने नौकरशाही में व्याप्त 'वर्ण व्यवस्था' का खुलकर जिक्र तो किया, लेकिन इसके 'इलाज' की कोई बात नहीं की। गोया यह लाइलाज मर्ज हो। जयपुर में आयोजित नार्दर्न काउंसिल की बैठक में शाह ने जो कहा, उसका आशय यही था कि आईएएस और आईपीएस दोनो ही केन्द्रीय सेवाएं हैं, लेकिन दोनों में वैसा तालमेल नहीं है, जैसा कि होना चाहिए।

तीनो कैडरों की दुनिया: मतभेद और ईर्ष्या अथवा परस्पर तुच्छ भाव ज्यादा है। बकौल शाह तीनो कैडरों ने अपनी दुनिया बना ली है, वो उसी में जीना चाहते हैं। हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि भारत ब्यूरोक्रेसी के इसी 'स्टील फ्रेम' की वजह से कायम है। बावजूद तमाम मतभेदों के नौकरशाही एक छतरी के रूप में काम करती है। इसे व्यक्तिगत राग द्वेष के आईने में नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन अमित शाह ने जो कहा, वो महज एक और शोशेबाजी है, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस तरह की आंतरिक खींचतान भारतीय ब्यूरोक्रेसी की हकीकत है। भले ही पहली दफा बहुत साफ और तंज के रूप में किसी वरिष्ठ मंत्री ने ऐसा कहा हो। इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज (आईएएस) यानी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तो खुद को ही देश का भाग्यविधाता मानकर चलते हैं। निरीह जनता पर रौब झाड़ते हैं, दबंग आका के आगे बिछे चले जाते हैं। हालांकि, कुछ खुद्दार अफसर भी होते हैं। उनकी नस्ल दुर्लभ श्रेणी की है और वे व्यवस्था की प्रताड़ना से पीड़ित रहते हैं।

पब्लिक तो खाकी से डरती है: जबकि इंडियन पुलिस सर्विस (आईपीएस) यानी भारतीय पुलिस सेवा (पुलिस का कोई सर्वमान्य हिंदी अनुवाद नहीं है) का मानना है कि असल में सत्ता का डंडा तो उन्हीं के पास रहता है भले आईएएस खुद को तीसमारखां समझें। पब्लिक तो खाकी से डरती है। जबकि आईएएस की सोच अमूमन यही रहती है कि बस एक बार यह तमगा मिल जाए फिर बाकी दुनिया कदमो में हैं।

आजादी के 75 साल बाद भी: यही कारण है कि आजादी के 75 साल बाद भी प्रशासनिक सेवाओं के ज्यादातर अफसरों की मानसिकता 'प्रजा पर राज' करने के भाव से ही अभिप्रेरित है। यह सही है कि भारत में अधिकांश मामलों में सत्ता के शीर्ष सूत्र आईएएस अधिकारियों के पास ही रहते हैं, जिनमें आईपीएस भी शामिल हैं। जबकि दोनो ही कैडर के अफसर कठिन प्रतियोगी परीक्षा पास करके आते हैं और दोनो की ही सेवाएं अखिल भारतीय मानी जाती है। मगर सच्चाई यही है कि गिने-चुने अफसर ही ऐसे होते हैं, जो लीक से हटकर और स्वतंत्र देश के स्वतंत्र नागरिक की तरह सोचते और नवाचार करते हैं।

ज्यादातर के लिए आईएएस और आईपीएस बनना यानी आजीवन सत्ता का निरंकुश उपभोग करना ही है।अमित शाह ने कहा कि हालत यह है कि दोनो शीर्ष सेवाओं में आपस में तालमेल नहीं है। आईएएस के नियमों को आईपीएस नहीं मानते। उन्हें लगता है कि आईएएस सबसे पहले अपने हित साधन और स्वार्थरक्षा के हिसाब से कानून और नियम बनाते हैं। यह भी प्रशासनिक सेवाओंमें अलग तरह का ब्राह्मणवाद है। जिसमें ब्राह्मण देवता पर सवाल उठाना नैतिक अपराध है। इसी से खीजे आईपीएस मौका लगते ही आईएएस को घेरना नहीं छोड़ते। ठीक वैसे ही कि जैसे ओबीसी सवर्णों को बेदखल तो करना चाहते हैं लेकिन उनका लक्ष्य भी ब्राह्मण बनना ही है। संक्षेप में कहें तो 'प्रशासनिक ब्राह्मणत्व' भी एक अवस्थिति है, जिसके प्रति जितना रोष है, उससे ज्यादा आकर्षण है।

इतिहास पर एक नजर: इतिहास में जाएं तो भारत में इस तरह की अखिल भारतीय सेवाओं की शुरूआत ब्रिटिश राज में शुरू हुईं, जब अंग्रेजों धर्म, समाजों, समुदायों में बंटे भारतीयों पर शासन करने के लिए एक स्वामीभक्त और तंत्रनिष्ठ सिस्टम दरकार थी। यह व्यवस्थाक उन्होंने बहुत समझकर और दूरगामी सोच के साथ बनाई थी। अंग्रेजों की दृष्टि में विविधता और बहुआयामी संस्कृति वाले इस देश पर राज करने का यही सबसे बढिया तरीका था। इसीलिए जब भारत ब्रिटेन की रानी के साम्राज्य का सीधे तौर पर हिस्सा बना तो 1858 में इंपीरियल सिविल सर्विसेज की स्थापना हुई। भारतीयों की एंट्री इसमें 1863 में ही हो सकी। कवीन्द्र रवीन्द्र के बड़े भाई सत्येन्द्रनाथ ठाकुर पहले भारतीय आईसीएस अफसर थे। आजादी के बाद 1950 में आईएएस का गठन हुआ। हालांकि, कई बड़े नेताओं की नजर में इन आईएएस का मोल अलग ही था। समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस तो आईएएस की व्याख्या 'आईएमसेफ' के रूप में किया करते थे तो मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे गोविंद नारायण सिंह आईएएस को 'बड़े बाबू' कहकर सम्बोधित करते थे। यह बात अलग है कि स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी इसे सेवा का कोई कारगर विकल्प नहीं खोजा जा सका है। तीसरे वर्ण' का जिक्र: केन्द्रीय गृहमंत्री ने जिस तीसरे वर्ण' का जिक्र किया वो 'राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर हैं। इनकी अपनी दुनिया है। ये खुद को 'भूमि पुत्र' (सन ऑफ सॉइल) मानते हैं। क्योंकि इस कैडर में ज्यादातर भर्ती उसी राज्य से होती है, जहां के ये निवासी होते हैं।

जनसंख्या नियोजन

कई समस्याओं को जन्म दे सकती है बढ़ती आबादी

> अगले कुछ वर्षो में भारत आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़कर सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यह कोई आदर्श स्थिति नहीं होगी। इसलिए और भी नहीं क्योंकि चीन के मुकाबले भारत का क्षेत्रफल कम है और संसाधनों पर बोझ बढ़ता जा रहा है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह जो कहा कि आबादी का असंतुलन नहीं होना चाहिए, उस पर विवाद खड़ा करने के बजाय व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए और इस क्रम में इसका आकलन किया जाना चाहिए कि क्या देश में जनसांख्यकीय असंतुलन की स्थिति बन रही है? सरकारों के साथ समाज को इस पर ध्यान देना होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों में सभी वर्ग, क्षेत्र और संप्रदाय के लोगों की भागीदारी समान रूप से हो। यदि ऐसा नहीं होता तो इससे समस्याएं पैदा होंगी और जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों पर पानी फिर सकता है। यह सही है कि देश जनसंख्या स्थिरीकरण की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इसकी गति देश के सभी हिस्सों और वर्गों में एक जैसी नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि देश शीघ्र ही जनसंख्या स्थिरीकरण वाले दौर में प्रवेश कर जाएगा, क्योंकि अगले कुछ वर्षों में भारत आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़कर सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यह कोई आदर्श स्थिति नहीं होगी। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि चीन के मुकाबले भारत का क्षेत्रफल कम है और यह किसी से छिपा नहीं कि संसाधनों पर बोझ बढ़ता जा रहा है। इसी के साथ गरीबी, बेरोजगारी जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। इसका कारण यह है कि भारत के पास दुनिया का केवल 2.4 प्रतिशत भूभाग है, लेकिन विश्व की 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है। चूंकि जनसंख्या स्थिरीकरण की स्थिति तक पहुंचने के पहले बढ़ती आबादी कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, इसलिए जनसंख्या नियंत्रण को लेकर सजग रहना समय की मांग है। उन वर्गो और क्षेत्रों को जनसंख्या नियंत्रण की महत्ता से परिचित कराना ही होगा, जहां इसके प्रति जागरूकता का अभाव है। इसी के साथ जनसंख्या नियोजन के उपायों पर भी प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देना होगा। किसी भी देश की जनसंख्या तब उपयोगी सिद्ध होती है, जब वह देश की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होती है। शिक्षित, अनुशासित जनसंख्या ही किसी देश की प्रगति में सहायक बनती है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पारिवारिक एवं सामाजिक संस्कारों और शिक्षा के माध्यम से भावी पीढ़ी को अनुशासित और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध बनाने को प्राथमिकता देनी होगी। इसी के साथ ऐसे भी प्रयत्न करने होंगे, जिससे आबादी के बड़े हिस्से को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल सके।

न्यू कॉमर्स का किया फूलों से स्वागत के साथ सवाल हमारा जवाब आपका क्विज कांटेस्ट

❐ मरूधर आवाज

जयपुर । एसके जैन फिल्म प्रोडक्शन की ओर से नव आदर्श विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल डीसीएम अजमेर रोड महात्मा गांधी नगर में गांधी पार्क मे जिसके मुख्य अतिथि फुटपाथी मास्टर जेपी बुनकर, विशिष्ट अतिथि विद्यालय निदेशक राजेंद्र सोनी, विशेष अतिथि सुनील श्रीवास्तव डायरेक्टर द वेब वीडियो प्रोडक्श, शत्रुंजय कुमार सिंह प्रधान संपादक लाइव न्यूज़ नाउ ने पौधारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इसके बाद ि?ल्म निदेशक सुनील जैन ने न्यू कमर्स विद्यार्थियों को तिलक लगाकर व मीठा कराकर भव्य फूलों से स्वागत किया । सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम को आगे ब?ाया इसी क?ी में सवाल हमारा जवाब आपका क्विज कांटेस्ट प्रतियोगिता की गई जिसमें सही जवाब देने वालों विनर को हाथों-हाथ वर्गो सांस्कृतिक संस्था अध्यक्ष रूपाली राव, सचिव रवि कश्यप के सौजन्य से पुरस्कार देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम के दौरान आठवीं व दसवीं बोर्ड में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 15 छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसी कड़ी में लाइव न्यूज़ नाउ प्रधान संपादक शत्रुंजय कुमार सिंह का जन्मदिन पर केक काटा गया और बच्चों को चॉकलेट वितरित की गई अंत में सभी आए हुए अतिथियों को फिल्म निदेशक सुनील जैन ने मोतियों की माला पहनाकर व दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने उद्बोधन में कहा कि निरंतर विकास जीवन का एक नियम है और जो भी विद्यार्थी मेहनत करते हैं उन्हें सफलता जरूर मिलती है । इस मौके पर विद्यालय समस्त स्टॉफ मौजूद रहा ।

भगवान की पुनीत लीलाओं का अनुभव सभी नही कर पाते - निर्मला दीदी

❐ मरूधर आवाज

भीनमाल। शहर के वराहश्याम मन्दिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान वृंदावन के आचार्य निर्मला दीदी ने कहा कि भगवान के परम आश्रित जो अनुरागी भक्त हैउनका मन पाप पुण्य से दूर होता है,वे पाप पुण्य का चिंतन नहीं करतें,वे चिंतन करतें है भगवान का उनके मन में सिवा भगवद चिंतन के कुछ होता ही नही अतएव भक्ति मार्ग का साधक बड़ा चौकन्ना रहता है,वह डरता है कि मुझसे कोई अपराध न हो जाए उन्होंने कहा कि भगवान की पुनीत लीलाओं का अनुभव सभी नही कर पाते। इसलिए उनमें उनकी आस्था भी नही रहती ,क्योंकि भगवान की आस्था में आवश्यकता है श्रद्धा की,धैर्यकी,संतोष, प्रतिक्षा और लगन की। भगवान की देन परोक्ष है,परंतु एकनिष्ठा और सच्ची लगन वाले भक्त उनका प्रत्यक्ष अनुभव कर लेते है। कथा वाचन के दौरान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के प्रसंग का वर्णन करते हुए मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति दी गई इस अवसर पर महेश व्यास,अनिल शर्मा,यज्ञाचार्य पंडित बृजमोहन अनन्त प्रसाद वैष्णव, शास्त्री,,मोहनलाल अग्रवाल,प्रदीप नागर,जगदीश दवे,जगदीश रामावत , विपिन शुक्ला,एडवोकेट हेमलता जैन,पुष्पा शर्मा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोगियों ने पाया उपचार लाभ

अलवर। वाईपीएसएम हो येपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल शिवाजी पार्क अलवर के तत्वावधान में भवागन जगन्नाथ जी के मेले के अवसर पर 9 जुलाई से 11 जुलाई तक मेला परिसर रूपवास में तीन दिवसीय नि:शुल्क शिविर लगाया गया। शिविर प्रभारी डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि शिविर में 524 रोगियों को नि:शुल्क हो योपैथिक चिकित्सा परामर्श व दवाएं प्रदान की गई। शिविर में डॉ. एसएस कुंतल, डॉ. पीएस चौधरी, डॉ. एमके शर्मा, डॉ. अजीतसिंह, डॉ. अशोक पाठक, डॉ. रूपेश सोनी, डॉ. आदितेन्द्र, डॉ. आयुषी, डॉ. धारणा व सभी इन्टर्नी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की। वहीं लोकेश, मनोज, वाहिद, सीपी सोनी, राहुल व दिनेश आदि ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की।

पट्टा देने के लिए घर-घर सर्वे किया जाएं : गोपाल

टोंक । प्रशासन शहरों के संग अभियान के अगले चरण की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में अभियान के नोडल प्रभारी समस्त एसडीओ एवं अधिशाषी अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक ली। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर टोंक परशुराम धानका भी मौजूद थे। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने बैठक में कहा कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के अगले चरण में आमजन को पट्टा देने के लिए घर-घर सर्वे किया जाएं। उन्होंने अभियान में प्रत्येक वार्ड वाईज घरों का सर्वे कर लक्ष्य के अनुरूप पट्टों का वितरण करने के निर्देश दिए। जिले के प्रत्येक उपखण्ड क्षेत्र में नोडल प्रभारी एसडीओ द्वारा अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाये तथा इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए। जिला कलेक्टर ने कहा कि अभियान में पट्टा बनाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न छूटों के साथ नवीनतम दिशा-निर्देश दिए है।

समाज को शिक्षा, व्यापार के साथ - साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी आगे आना होगा तभी समाज के लोगों का चहुंमुखी विकास होगा : बी.एल. नवल

❐ मरूधर आवाज

फागी/राजेन्द्र गोठवाल। समाज को शिक्षा, व्यापार के साथ - साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी आगे आना होगा तभी समाज के लोगों का चहुंमुखी विकास होगा। यह बात रैगर समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय महासभा बी.एल. नवल ने कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बदौलत रैगर समाज के इस वर्ष पांच युवकों का आईएएस में चयन हुआ है। यह गर्व की बात है। नवल ने कहा कि दूदू विधानसभा क्षेत्र में रैगर समाज के 26 से 27000 मतदाता है उसके बावजूद भी रैगर समाज पर आए दिन अत्याचार अन्याय हो रहा हैं। समाज में शिक्षा की ओर अग्रसर होने की आवश्यकता है तभी मूल अधिकार प्राप्त कर सकते हैं वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है समाज इतना कमजोर भी नहीं है जो कि अत्याचार अन्याय सहन करे, हम सबको मिलकर एकता का परिचय देने की आवश्यकता है। अध्यक्षता ब्रह्म प्रकाश बसेठिया राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगापुत्र रैगर महासंघ नई दिल्ली ने भी समारोह को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधिकारी दौलतराम अटल ने रैगर छात्रावास के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि उगंता सुकरिया प्रधान मौजमाबाद , स्वामी कृष्णानन्द महाराज संरक्षक रैगर समाज स्वाभिमान संघर्ष समिति दूदू लोकेश सोनवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कन्हैयालाल तुणगरिया, भागीरथ गुसाई, कान्ता सोनवाल, श्रवण नवल, मुकेश गाडेगावलिया, बारोलिया, सत्यनारायण जाजोरिया, मोहनलाल सांठीवाल, प्रभुदयाल बाकोलिया तहसील अध्यक्ष दूदू मदन लाल गोड़वाल, सत्यप्रकाश खटूमरिया, रामदयाल वर्मा सरपंच, रामादेवी सरपंच, गुलाबचन्द कलवाडा, जडावता, राजकुमार जाजोरिया सरपंच महलां, राम सहाय जाजोरिया, पोखर मल सुकरिया, अनिल मंडरावलिया ने भी समाज को संबोधित किया। समारोह में समाज के कक्षा दसवीं और बारहवीं बोर्ड के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

झालाना डूंगरी सरकारी स्कूल में बिना व्यवस्था शुरू की गई इंग्लिश मीडियम के दौरान हिंदी मीडियम के बच्चों को जबरन टीसी काटने एवं एडमिशन में धांधली की शिकायत पर विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में बड़ी भारी संख्या में लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया गया

❐ मरूधर आवाज

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोमेश्वरपुरी में हिंदी मीडियम स्कूल के स्थान पर महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूल किए जाने पर यहां अध्ययनरत सैकड़ों बच्चों का भविष्य अंधकार में हो रहा है । अंग्रेजी माध्यम का विरोध अभिभावकों द्वारा किया गया। भारी संख्या में अभिभावकों ने विद्यालय के मुख्य गेट पर धरना दिया ।

स्थानीय विधायक श्री कालीचरण सराफ जी ने मौके पर पहुंचकर अभिभावकों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना एवं संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बात की ।

क्षेत्रीय पार्षद लक्ष्मण सिंह नूनीवाल, और वार्ड नंबर 110 के भाजपा पार्षद प्रत्याशी मनोज जबडोलिया ने बताया कि सैकड़ों अभिभावको के साथ धरने पर बैठे क्षेत्रीय विधायक ने सीडीईओ जयपुर पूर्व श्री सुभाष चंद यादव ,सीबीईओ जयपुर पूर्व श्रीमती मुकुल कविया, ए सी ई बी ई ओ श्री गिरिराज गुप्ता, प्रधानाचार्य सहित सभी अधिकारियों से गरीब बच्चों को सरकारी स्कूल से नहीं निकालने का निर्देश दिया । मौके पर पहुंचे सभी अधिकारियों ने धरने में ही विधायक महोदय एवं अभिभावकों को आश्वस्त किया कि किसी भी बच्चे को विद्यालय से नहीं निकाला जाएगा एवं नए प्रवेश भी पूर्व की भांति दिए जाएंगे । इस मौके पर प्रधानाचार्य ने भवन की कमी का प्रस्ताव विधायक महोदय के समक्ष रखा ।

इस पर विधायक महोदय ने अपने बजट से पांच कक्षा कक्षों की राशि जारी करने का वादा किया और चेतावनी दी कि यदि 15 जुलाई तक पूर्व की भांति हिंदी मीडियम के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया गया या उनका नाम पृथक किया गया तो 16 जुलाई को बाईपास रोड पर जाम लगा दिया जाएगा।

इस अवसर पर वार्ड नंबर 142 के पार्षद हिमांशु जैन, वार्ड 129 के पार्षद महेश सैनी, बच्चों राजापार्क मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा ,अन्नू वाजपेई, महेश प्रजापति, मोती सिंह राठौड़, राजेश बरुटीया, सीताराम जलुथरिया, हेमराज वर्मा,गणेश बेरवा, कन्हैया लाल सेन, ओमप्रकाश यादव, रामवतार कुमावत, नटवर कुमावत, बजरंग लाल शर्मा, सीताराम बैरवा, सत्यनारायण खुटेटा, अमर सिंह, रामेश्वर शर्मा, केशव देव, अशोक शुक्ला, रमेश विजयवर्गीय, नितिन शर्मा ,रविंद्र बेरवा ,विक्की रमन, राकेश सिंह राजपूत, विनोद जाटव, संजय धानका, मनीष बैरवा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता अभिभावक उपस्थित रहे

बजरी ट्रॉली पलटने से दबकर युवक की मौत

❐ मरूधर आवाज

देवली। हनुमान नगर थाना क्षेत्र के धुवाला गांव के समीप मंगलवार को अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी खा गई जिसकी चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई इस दुर्घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई। उक्त घटना की सूचना पर हनुमान नगर थाना पुलिस भी मय जाब्ते के साथ पहुंच गई जहां थाना अधिकारी हरीश सांखला ने मौके पर पहुंचकर हादसे में मारे गए युवक की पहचान महेंद्र मीणा पुत्र छोटू लाल मीणा निवासी नीम का खेड़ा गौरम गढ़ के रूप में की। इस दौरान घटनास्थल पर एकत्रित ग्रामीणों में अवैध बजरी परिवहन को लेकर आक्रोश दिखाई दिया । थाना अधिकारी के पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुलिस पर बजरी माफियाओं के साथ सांठगांठ के आरोप लगाए एवं बजरी माफियाओं के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं होने पर । पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त करने लगे इस दौरान थाना अधिकारी हरीश सांखला ने ग्रामीणों को समझाइश कर बजरी माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की बात कही । लेकिन ग्रामीणों में बजरी माफिया और पुलिस के प्रति नाराजगी बनी रही ।युवक की मौत हो जाने पर आक्रोशित ग्रामीणों के बीच से पुलिस को यह भी बताया जा रहा था कि। यहां प्रतिदिन अवैध रूप से बजरी से भरे ट्रैक्टर परिवहन हो रहे हैं। जिसकी जानकारी से हनुमान नगर थाना पुलिस पूरी तरह वाकिफ है। उसके बावजूद इनके विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। जिसके कारण बजरी माफिया बेखौफ होकर बजरी का अवैध खनन कर ट्रैक्टरों का परिवहन कर रहे हैं । यहां अवैध बजरी खनन के कारण तेज रफ्तार में दौड़ते ट्रैक्टरों से आए दिन दुर्घटना का भय बना हुआ रहता है। ग्रामीणों के अनुसार जानकारी यह भी मिली कि तेज रफ्तार में दौड़ने वाले ट्रैक्टर के कारण पहले भी छोटे-मोटे हादसे हो चुके थे। कि इसी के चलते मंगलवार को फिर बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली 33 वर्षीय युवक महेंद्र मीणा के ऊपर आकर पलटी खा गई जिससे महेंद्र मीणा की मौके पर मौत हो गई। इसी बीच थाना अधिकारी हरीश सांखला ने आक्रोशित ग्रामीणों को बताया कि । उनके आने के बाद पुलिस ने अब तक बजरी से भरे 10 ट्रैक्टरों को पकड़कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की है । इस घटना की सूचना पर जाहजपुर पुलिस उपाधीक्षक महावीर शर्मा भी मौके पर पहुंचे । जहां अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाइश कर मृतक मीणा के शव को अपने कब्जे में लेकर देवली चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जहां चिकित्सक बोर्ड द्वारा मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम किया गया। युवक के पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। समाचार लिखे जाने तक उक्त घटना के मामले में पुलिस के पास किसी की तरफ से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। मृतक के परिजनों ने भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। ऐसे में गौरतलब है कि हनुमान नगर थाना क्षेत्र में रात से लेकर सुबह तक कई दर्जन अवैध बजरी के भरे ट्रैक्टर परिवहन करते है। ऐसे में हनुमान नगर पुलिस द्वारा अब तक अवैध बजरी से भरे कुल 10 ट्रैक्टर ट्रॉली के विरुद्ध ही कार्रवाई हो पाई है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि हनुमान नगर थाना क्षेत्र और देवली शहर मैं कई दर्जन भवनों एवं ऊंची इमारतों का निर्माण चल रहा है। इन निर्माणाधीन भवन और इमारतों के बाहर बनास बजरी के ढेर लगे हुए हैं। बनास बजरी के ढेर उन क्षेत्रों में भी लगे हुए हैं जहां बड़े डंपर और वाहनों का जाना नामुमकिन है। इस में सोचने का विषय यह है कि। हनुमान नगर थाना अधिकारी से उनके आने के बाद केवल अवैध बजरी परिवहन करते 10 ट्रैक्टर के विरुद्ध कार्यवाही हो पाई है। यह तो मानो जैसे कि ऊंट के मुंह में जीरा कहावत पर कार्रवाई हो सकी है। ऐसी परिस्थितियों पर ग्रामीणों से यह भी जानकारी मिली है कि इस गांव में कुछ माह पहले बजरी माफियाओं ने हनुमान नगर थाना पुलिस पर हमला कर दिया था जिसमें 3 पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे । शायद उक्त दौरान बजरी माफियाओं के विरुद्ध पुलिस द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से अवैध बजरी कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। जिससे आए दिन मासूम लोगों की जान की जोखिम का खतरा बना हुआ रहता है।

भारतीय जनता पार्टी जौहरी बाज़ार मंडल की कार्यसमिति की गई आयोजित

❐ मरूधर आवाज

जयपुर (श्रीराम इंदौरिया)। भारतीय जनता पार्टी जौहरी बाज़ार मंडल की कार्यसमिति आयोजित की गई।

जिसमें उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में जयपुर शहर भाजपा महामंत्री कुलवंत सिंह ने संगठन के विभिन्न विषयों पर उद्बोधन दिया। उसके पश्चात् पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक प्रचार-प्रसार करने का कार्यकर्ताओं को आग्रह किया।

मंडल प्रभारी सोमदत्त ने बूथ समिति, आजीवन समर्पण निधि एवं मंडल में संगठन द्वारा निर्देशित विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। भाजपा जौहरी बाजार मंडल मीडिया प्रभारी अतुल जैन ने बताया कि मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा द्वारा राजनीतिक प्रस्ताव रखा, जिसमे कांग्रेस सरकार के खिलाफ चलाए जाने वाले सभी आंदोलन एवम् विरोध प्रदर्शन का सभी पदाधिकारीयो एवं कार्यकर्ताओं ने एकमत के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया।

मंडल कार्यसमिति को सफल बनाने के लिए सभी साथी कार्यकर्ता बंधु एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया ।

कैसी हो बच्चे की इम्यूनिटी वाली डाइट

बढ़ते बच्चों को उन के आहार में कौनकौन से पोषक तत्व दें जिन से उन का संपूर्ण विकास हो, एक बार जानिए जरूर...

अन्नपूर्णा और प्रीति दोनों ही अपने बच्चों को ले कर पार्क में घुमाने लाई थीं. अन्नपूर्णा का बेटा मयंक जहां बच्चों की हर ऐक्टिविटीज और गेम्स में भाग ले रहा था और जीत भी रहा था वहीं उस से 1 साल बड़ा प्रीति का बेटा किंचित थोड़ा सा खेल कर ही थक चुका था और एक कोने में बैठा एक पप्पी को तंग करने में मशगूल था.

प्रीति ने उदास स्वर में अन्नपूर्णा को अपना दुखड़ा सुनाते हुए कहा, ''यार अन्नू तेरा बेटा तो बड़ा स्ट्रौंग है. उसे जब भी देखती हूं हमेशा ऐक्टिव दिखता है और हर चीज में अव्वल रहता है पर मेरा बेटा कहीं मन ही नहीं लगाता. बहुत जल्दी थक जाता है और उस की ग्रोथ भी ठीक से नहीं हो रही. मुझे लगता है किंचित उम्र में बड़ा है, मगर लंबाई में भी मयंक ने ही बाजी मारी है.''

''हां यार यह तो सच है कि मेरा बेटा हर जगह अव्वल आता है और इस की एक वजह यह है कि मैं ने शुरू से ही उस के खानपान पर पूरा ध्यान दिया है. मैं उसे हमेशा अच्छी डाइट देती हूं.'' ''मगर मेरा बेटा तो खाने में इतने नखरे करता है कि क्या बताऊं. मुश्किल से कुछ गिनीचुनी चीजें खाता है. हां जंक फूड्स जितने भी दे दो उन्हें खुशीखुशी खाता है. तभी मैं उसे पिज्जा, बर्गर, फ्रैंच फ्राइज ही दे देती हूं खाने को. आखिर उस का पेट तो भरना है न इसलिए जो खाता है वही खिला देती हूं,'' प्रीति ने परेशान स्वर में कहा.

''मगर यह तो बिलकुल सही नहीं है प्रीति. इस तरह तो उसे सही पोषण ही नहीं मिलेगा. पोषण का ध्यान नहीं रखोगी तो आगे जा कर उस के शारीरिकमानसिक विकास में अवरोध आएगा. कम उम्र में ही बीमारियां घेरने लगेंगी. बच्चे जो खाना चाहते हैं वह दे देना सही नहीं. उन्हें वे चीजें ही खिलाओ जो उन के लिए जरूरी हैं,'' अन्नपूर्णा ने समझया.

''और जो वह न खाए तो?''

''तो देने का तरीका बदलो. मान लो उसे दाल खाना पसंद नहीं, मगर दालें प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं. ऐसे में आप चीला बना कर दाल खिला सकती हो. मसलन, कभी बेसन का तो कभी मूंग दाल का स्वादिष्ठ चीला खिलाइए. वह इनकार कर ही नहीं पाएगा. इसी तरह वह दूध नहीं पी रहा तो उसे पनीर की सब्जी खिलाइए या दूध में चौकलेट फ्लेवर का बौर्नविटा या हौर्लिक्स मिला कर दीजिए. अगर वह हरी सब्जी नहीं खा रहा तो उन्हें बनाने का अंदाज बदल कर देखिए या सब्जी भर कर परांठा बना लीजिए.''

''यार तूने तो मेरी आंखें खोल दीं. कितने अच्छे तरीके बताए हैं तूने. मैं कल से ही ट्राई करती हूं,'' खुश हो कर प्रीति ने अन्नपूर्णा का शुक्रिया किया.

यह सच है कि बच्चे अकसर खाने में आनाकानी करते हैं, पर आप को उन्हें हैल्दी खाना खाने की आदत डालनी होगी. बच्चों की सेहत का बचपन से ही खयाल रखने की जरूरत होती है ताकि उम्र के साथ उन की सेहत और इम्यूनिटी मजबूत हो और उन के शरीर को तमाम इन्फैक्शन और बीमारियों से लड़ने की ताकत मिले. बढ़ती उम्र में बच्चों को सही और भरपूर पोषण की जरूरत होती है जिस में प्रोटीन, विटामिन जैसे कई तरह के पोषक तत्त्व शामिल हैं.

अगर बच्चों की डाइट में इन का अभाव हो जाए तो उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेर सकती हैं. पहले यह जानना होगा कि आप के बढ़ते बच्चे की डाइट में कौन से पोषक तत्त्व शामिल करने जरूरी हैं और इस के लिए कौन से चीजें खिलानी जरूरी हैं.

बढ़ते बच्चों के लिए जरूरी पोषक तत्त्व

प्रोटीन: अच्छे विकास और ताकत के लिए प्रोटीन बच्चों की डाइट में ज़रूर होना चाहिए. यह एक ऐसा तत्त्व है जिस की जरूरत सिर्फ बड़ों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी होती है. यह तत्त्व शरीर के सैल्स के निर्माण, भोजन को ऐनर्जी में बदलने, इन्फैक्शन से लड़ने और शरीर में औक्सीजन के लैवल को बनाए रखने में मदद करता है. प्रोटीन की पूर्ति के लिए सोयाबीन, दालें, अंडा, चिकन और डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कराएं.

कैल्सियम : बच्चों के शरीर को कैल्सियम की बहुत आवश्यकता होती है क्योंकि उन की हड्डियां, दांत कैल्सियम से ही मजबूत होते हैं. 35 साल की उम्र तक पीक बोन मास बनता है, इसलिए मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए भी सही मात्रा में कैल्सियम का सेवन करना बहुत जरूरी है. आप उन्हें दूध, दही, पनीर सहित अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स दें जिन में पर्याप्त मात्रा में कैल्सियम मौजूद होता है. उन्हें सुबह की धूप लेने की आदत भी डालनी चाहिए ताकि विटामिन डी शरीर को मिले.

फाइबर: फाइबर के सेवन से पाचनतंत्र स्वस्थ रहता है, पोषक तत्त्वों का अवशोषण ठीक से होता है. हर बच्चे के आहार में फाइबर को जरूर शामिल करना चाहिए. इसके लिए आप ब्रोकली, सेब, नट्स, ऐवोकाडो, नाशपाती आदि दे सकती हैं.

आयरन : इस के सेवन से बच्चे का विकास ठीक तरह से होता है क्योंकि आयरन रैड ब्लड सैल्स के निर्माण के लिए बहुत जरूरी है जो पूरे शरीर में औक्सीजन पहुंचाती हैं. खून की कमी से कई तरह के रोग पैदा होते हैं. इस के विपरीत जब शरीर में आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है तो इस से खून तो तेजी से बनता ही है साथ ही ध्यान और एकाग्रता में भी सुधार आता है.

यही वजह है कि बढ़ते बच्चों के लिए आयरन बहुत जरूरी होता है. इस के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली, अंडा, मांस, चुकंदर, साबुत अनाज, बींस, नट्स, ड्राई फ्रूट आदि देने चाहिए.

विटामिन सी : विटामिन सी सर्दीजुकाम से लड़ने के साथसाथ और भी कई तरह से फायदेमंद होता है. यह रक्तवाहिकाओं की दीवारों को मजबूत करता है, घाव को सही करने के साथ ही दांतों और हड्डियों को भी मजबूती देता है. जब बच्चा बढ़ता है तो उस के शरीर को विटामिन सी की सख्त जरूरत होती है. इस तत्त्व की पूर्ति के लिए बच्चों को खट्टे फल, टमाटर, स्ट्राबेरी, आम, नाशपाती, ब्रोकली, पालक जैसी चीजें खिलाएं.

फौलेट : शायद बहुत कम लोगों को पता हो लेकिन फौलेट भी बढ़ते बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है. यह बच्चों के शरीर के सैल्स को मजबूत और हैल्दी रखता है. इस विटामिन की कमी से बच्चों को एनीमिया रोग यानी शरीर में खून की कमी हो सकती है. बच्चों की बौडी में फौलेट की मात्रा बनी रहे इसलिए उन्हें मिक्स अनाज का दलिया, पालक, चने, मसूर की दाल और स्प्राउट्स जैसी चीजें दें.

कार्बोहाइड्रेट: यह भी बच्चों के बेहतर विकास के लिए एक जरूरी तत्त्व है. यह ऊतक के निर्माण और मरम्मत करने में महत्त्वपूर्ण है. कार्बोहाइड्रेट कई अलगअलग रूपों (शर्करा, स्टार्च, फाइबर) में आते हैं. लेकिन बच्चों को स्टार्च और फाइबर अधिक और चीनी कम देनी चाहिए. ब्रैड, आलू, पास्ता, चावल और अनाज आदि में प्रचुर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है.

बढ़ते बच्चों की डाइट में जरूर होनी चाहिए ये पौष्टिक चीजें

दूध : दूध बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इस में कैल्सियम की पर्याप्त मात्रा होती है जिस से हड्डियां मजबूत बनती है. साथ ही दूध में विटामिन ए,बी2 और बी12 भी होते हैं जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं.

ब्रोकली : ब्रोकली में भरपूर मात्रा में कैल्सियम पाया जाता है. इस से बच्चों की हड्डियां मजबूत होती हैं. आप अपने बच्चे को इस का सूप दे सकती हैं या फिर दूसरी सब्जियों के साथ मिला कर इसकी सब्जी तैयार कर सकती हैं.

बादाम : हर सुबह मुट्ठी भर बादाम बच्चों की याददाश्त, नजर और यहां तक कि मानसिक विकास में मदद कर सकते हैं. बादामों में कई प्रकार के खनिज, विटामिन और स्वस्थ वसा पाई जाती है जो शरीर के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है.

अध्ययनों के अनुसार बादाम, हड्डियों के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी सहायक हैं. इन में मौजूद विटामिन ई बच्चों की लंबाई बढ़ाने में सहायक माना जाता है.

डेयरी उत्पाद : प्रोटीन के अलावा, हड्डियों की बेहतर संरचना और मजबूती के लिए कैल्सियम की आवश्यकता होती है. डेयरी उत्पाद जैसे दही, पनीर, दूध और मक्खन में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है. दूध स्वस्थ वसा, फास्फोरस और मैग्नीशियम प्रदान करता है जो बच्चे की लंबाई को बढ़ाने में मदद करता है. 1 गिलास दूध में करीब 8 ग्राम तक प्रोटीन होता है जो मांसपेशियों के निर्माण में भी सहायक होता है.

अंडे : वसा और प्रोटीन का समृद्ध स्रोत अंडे सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं. 1 बड़े अंडे में करीब 6 ग्राम प्रोटीन होता है. इस में मौजूद अमीनो ऐसिड हड्डियों के निर्माण को बढ़ावा देता है और उन्हें मजबूत बनाता है. इस के अतिरिक्त अंडों से विटामिन डी भी प्राप्त किया जा सकता है जो हड्डियों को कैल्सियम ठीक से अवशोषित करने में मदद करता है. अंडों में कोलीन नामक पोषक तत्त्व भी भरपूर मात्रा में होता है जो मस्तिष्क के विकास के लिए जरूरी होता है. अंडों को बौयल, फ्राई या किसी भी अन्य रूप में बच्चे को दें.

बैरीज : ब्लूबेरी और स्ट्राबेरी में पोटैशियम, विटामिन सी, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और ऐंटीऔक्सीडैंट होता है. इस में फैट और कोलैस्ट्रौल नहीं होता. इन का स्वाद मीठा होता है इसलिए बच्चे इन्हें पसंद करते हैं. इन्हें आप ओटमील, दही, दलिया आदि में मिक्स कर सकती हैं.

शकरकंद : यह आंखों के लिए बहुत ही फायदेमंद है. इस में विटामिन ए, सी, ई, कैल्सियम, पोटैशियम और आयरन होता है।

फेस क्रीम चुनते वक्त रखें इन बातों का ख्याल

फेस क्रीम चुनते वक्त ध्यान न देने से स्किन खराब हो सकती है.

कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में सल्फेट मिला होता है, जो स्किन को नुकसान पहुंचाता है. इन प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से कोई सुंदर तो दिखने से रहा, उल्टा स्किन खराब हो सकती है. कई शैंपू, माउथवॉश और टूथपेस्ट में भी ये मिला होता है. इनसे स्किन एलर्जी के अलावा, फेस और चिन पर पानी वाले एक्ने होने जैसी प्रॉब्लम्स हो सकती है. जानिए, सल्फेट प्रोडक्ट्स किस तरह स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं.

जानलेवा भी हो सकते हैं साबित

आज कई छोटी कंपनियां ब्यूटी प्रोडक्ट्स में सल्फेट की क्वांटिटी ज्यादा मिला देती है, जिससे वे यूज करते समय लगेंगे तो अच्छे, लेकिन नुकसान बेहद करेंगे. शैंपू और फेश वॉश जैसी चीजों में अगर झाग ज्यादा आ रहा है, तो समझ जाएं कि उनमें सल्फेट की मात्रा अधिक मिली है. सल्फेट मिलने से दूसरी चीजें कम मिलानी पड़ती हैं, जिससे प्रोडक्ट की लागत कम हो जाती है. सल्फेट के साथ ही वे टॉक्सिक इंग्रेडिएंट्स प्रोडक्ट्स में मिला देते हैं, जिनका इस्तेमाल आपके लिए खतरनाक हो सकता है. दरअसल, ब्यूटी प्रोडक्ट्स लगाते ही आपकी स्किन पर काम करना शुरू कर देते हैं, ऐसे में कई बार ये प्रोडक्ट स्किन के अंदर समाकर आपके लिए घातक भी हो जाते हैं. सल्फेट स्किन को ड्राई और डल भी कर देता है.

बैक्टीरिया रोकता है

सल्फेट मिलने से प्रोडक्ट में बैक्टीरिया को रोकने और डिओ, लोशन, लिपस्टिक, शैंपू, स्क्रब्स आदि प्रोडक्ट्स में प्रिजर्वेटिव के लिए इस्तेमाल होने वाली चीजें कम हो जाती है, जिससे आपको स्किन इन्फेक्शन, दाग धब्बे और पिंपल्स जैसी प्रॉब्लम्स आ सकती है.

बालों का नेचुरल रंग फेड

अधिक सल्फेट मिले शैंपू से बालों का नेचुरल रंग फेड हो जाता है. यही नहीं, इससे बालों के क्यूटिकल खुल जाते हैं और इनके कमजोर होने और टूटने का खतरा बढ़ जाता है. सल्फेट से बालों के ड्राई होने और स्कैल्प में खुजली होने जैसी परेशानियां सामने आती हैं.

प्रोटेक्टिव लेयर को नुकसान

यह हाथों की त्वचा, बालों या मुंह के लिए ठीक नहीं होता. ज्यादा फोमिंग से त्वचा की नमी और प्रोटेक्टिव बैरियर नष्ट हो जाते हैं. सल्फेट युक्त टूथपेस्ट से त्वचा की तरह मुंह की बाहरी प्रोटेक्टिव लेयर नष्ट होती है.

ऑक्सीबेनजॉन

ये सनक्रीम में अधिक मिलाया जाता है. रिसर्च के मुताबिक, ऑक्सीबेनजॉन हमारे हार्मोनल सिस्टम को पूरी तरह बर्बाद कर सकता है. यह प्रोडक्ट स्किन पर एक ऐसी लेयर बना देता है, जिससे इसकी टॉक्सिन्स रिलीज करने की एबिलिटी कम हो जाती है. एक्ने होने के अलावा ये स्किन फंक्शन और सेल्स का डेवलपमेंट भी धीमा कर देता है. यह पारा, कोलतार, एल्युमिनियम, डीट, डाइऑक्सिन, फॉर्मल्डिहाइड, पारा-अमीनोबेन्जॉइक एसिड, कैंफर और कार्बन ब्लैक भी ब्यूटी प्रोड्क्ट्स में इस्तेमाल होने वाले कुछ कॉमन टॉक्सिक इंग्रीडिएंट्स हैं.

टोनर

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो ऐसे प्रोडक्ट का बिल्कुल भी इस्तेमाल न करें, जिसमें अल्कोहल या एथनोल का इस्तेमाल हो. इनके बजाय आप यूज करें नेचरल टोनर का.

क्लींजर

क्लीनजिंग प्रोडक्ट्स में सोडियम लायरल सल्फेट के रूप में सल्फेट पाया जाता है. ये सल्फेट्स फोमिंग एजेंट होते हैं और ये आपकी त्वचा की ड्राईनैस को बढ़ा देते हैं.

स्क्रब्स

अगर स्किन ड्राई है, तो किसी भी तरह के स्क्रब का प्रयोग न करें. हां, हफ्ते में एक बार किसी ऐसे स्क्रब का इस्तेमाल करें, जिसमें किसी दानेदार चीज का इस्तेमाल न हो.

सनस्क्रीन

जेल बेस्ड सनस्क्रीन आपकी रुखी त्वचा पर टिक नहीं पाती है इसलिए यह आपके त्वचा के लिए असरदार नहीं है.

अवाइड करें इन्हें भी

पैराबेन

मेकअप प्रोडक्ट्स, मॉइश्चराइज़र, शेविंग जेल, शैंपू, पर्सनल ल्यूब्रिकैंट्स और स्प्रे टैन प्रोडक्ट्स (स्किन टैन करने लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्प्रे) में पैराबेन की मात्रा डाली जाती है. कई रिसर्च में ये बात सामने आई है कि लॉन्ग चेन वाले पैराबेन (प्रोपाइल और ब्यूटाइल पैराबीन्स) और इस ग्रुप के दूसरे केमिकल्स जैसे आइसोप्रोपाइल और आइसोब्यूटाइल पैराबीन्स एंडोक्राइन सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है और रिप्रोडक्टिव सिस्टम में गड़बड़ियां आने के साथ ही इससे मेंटल ग्रोथ भी रुक सकती है. पेग्स ये भी फेस वॉश, स्क्रब्स, बॉडी वॉश, मेकप और टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होता है. फेस वॉश और स्क्रब्स में मौजूद रहने वाले ये बेहद छोटे प्लास्टिक बीड्स पॉलिथिलीन से बने होते हैं.

फैमिली के लिए बनाएं वैजिटेरियन सीख कबाब

नौनवेज के सीख कबाब तो आपने कई बार खाए होंगे. लेकिन क्या आपने वैजिटेरियन सीख कबाब ट्राय किया है.

नौनवेज के सीख कबाब तो आपने कई बार खाए होंगे. लेकिन क्या आपने वैजिटेरियन सीख कबाब ट्राय किया है. आज हम आपको वैजिटेरियन सीख कबाब की रेसिपी बताएंगे, जिसे आप घर पर बनाकर अपनी फैमिली को खिला सकते हैं.

सामग्री

1 मध्यम आकार का आलू पका और मैश किया हुआ
1 गाजर कटी हुई
1/2 कप मटर कुचले हुए
1/2 कप गोभी कटी हुई
1 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट
1 बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट
2 हरीमिर्चें लंबी कटी हुई
1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर
2 छोटे चम्मच चाटमसाला
3 बड़े चम्मच बेसन भुना हुआ
1 कप पनीर कटा हुआ
पकाने के लिए तेल, नमक और कालीमिर्च स्वादानुसार.

विधि

एक मध्यम आकार की कड़ाही में लहसुन और अदरक पेस्ट को तेल में कुछ मिनट पकाएं. अब इस में मैश किया आलू, गाजर, मटर और गोभी डाल कर मुलायम होने तक पकाएं. अब अमचूर, चाटमसाला, मिर्च और भुना बेसन डाल कर 2 से 3 मिनट पकाएं. फिर पनीर डाल कर पकाएं. फिर आवश्यकतानुसार नमक, कालीमिर्च डाल कर मिलाएं. आंच से उतार कर ठंडा होने पर इसे 8 बराबर भागों में काट लें और प्रत्येक भाग को सीखचे में बेलनाकार आकार में दबा दें. अब मौडरेट हौट ग्रिलर पर सीखचे को घुमाघुमा कर इन्हें चारों तरफ सुनहराभूरा होने तक सेंकें.

पुरानी साड़ियों को ऐसे करें दोबारा इस्तेमाल

आपके वार्डरोब में कई ऐसी पुरानी साड़ियां होंगी, जिन्हें वर्षों से आपने पहना नहीं होगा. मगर उनके साथ जुड़ा इमोशन उन्हें बेकार कहने की इजाजत नहीं देता. आप चाहें तो थोड़ी-सी क्रिएटिविटी से इन्हें फिर से इस्तेमाल में ला सकती हैं.

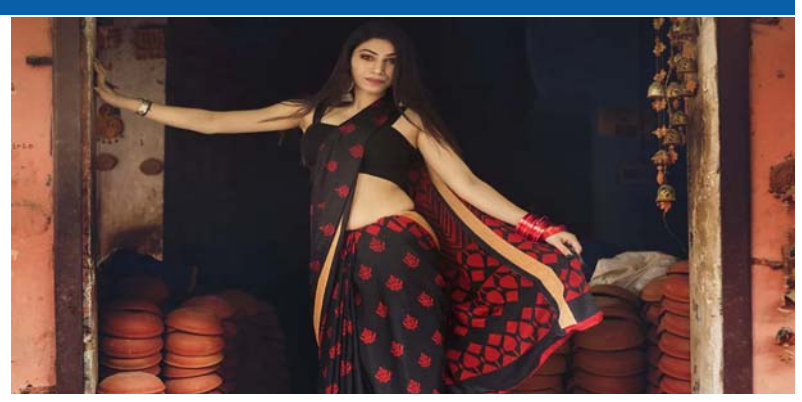

आपके वार्डरोब में कई ऐसी पुरानी साड़ियां होंगी, जिन्हें वर्षों से आपने पहना नहीं होगा. मगर उनके साथ जुड़ा इमोशन उन्हें बेकार कहने की इजाजत नहीं देता. आप चाहें तो थोड़ी-सी क्रिएटिविटी से इन्हें फिर से इस्तेमाल में ला सकती हैं. जानिए कैसे.शादी की पुरानी साड़ियां दिल को उतनी ही अजीज होती हैं, जितनी कि उस वक्त के वो यादगार पल. जिस प्रकार ये पल कभी दिल से निकाले नहीं जा सकते, उसी प्रकार इन साड़ियों को खुद से जुदा करना मुश्किल है. मगर फैशन ट्रेंड्स में चेंज आने से पुरानी साड़ियों को पहनना मुश्किल हो जाता है. कई उपाय हैं, जो इन्हें री-यूज में ला देते हैं.

पुरानी साड़ी को दें मौडर्न टच

वेस्टर्न आउटफिट की आप दीवानी है, तो एथनिक साड़ियों को आप खुद से या फिर टेलर की मदद से मौडर्न टच दिलवा सकती हैं. हेवी वर्क से सजी इन साड़ियों से आप मिडील, लांग स्कर्ट्स, प्लाजो जैसी कई चीजें बनवा सकती हैं और इन पुरानी साड़ियों को ट्रेंडी व फैशनेबल बना सकती हैं. लेकिन अगर आप वेस्टर्न नहीं पहनतीं, तो इन साड़ियों का सलवार-सूट, चूड़ीदार-सूट, अनारकली या फिर पटियाला भी बनवा सकती हैं. बनारसी साड़ियों के बौर्डर को नेक, बाजू व दुपट्टे पर लगाकर उसे हैवी और खूबसूरत दिखा सकती हैं. इसके साथ ही आप इन रेशमी साड़ियों से अपनी बिटिया की फ्रौक भी बनवा सकती हैं. इसके अलावा आप जरदोजी, हेवी बौर्डर, गोटा व पैच वर्कवाली साड़ियों को अन्य ड्रेसेज जैसे सूट, पलाजो, स्कर्ट व लहंगे या फिर घर के इंटीरियर में भी यूज कर सकती हैं.

कतरनों का भी इस्तेमाल

ये सब कुछ करने के बाद सभी साड़ियों से कतरन बचना संभव है. इन कतरनों को फेंकने की बजाय आप इनका भी सदुपयोग कर सकती हैं. सभी कतरनों को आपस में जोड़ लें और फिर इस खूबसूरत डिजाइन को कौटन के प्लेन कपड़े पर सिलाई लगा दें. इस कपड़े को ऊपर से लगाकर आप सोफे व बच्चों की गद्दियां बना सकती हैं. इन गद्दियों में आप रूई या फिर फोम का इस्तेमाल कर सकती हैं. साड़ियों से बनी ये गद्दियां आपके कमरे को एथनिक अंदाज में सुंदर दिखायेंगी.

पैच का कमाल

बनारसी व कांजीवरम साड़ियां अपने वर्क के लिए जानी जाती हैं. इन साड़ियों के खूबसूरत वर्क को आप निकाल कर कौटन के कपड़े पर स्टिच कर दें और इसे पैच की तरह अपनी किसी भी ड्रेस में लगवा सकती हैं. वैसे केवल ड्रेस ही नहीं, कपड़ों के इन टुकड़ों को दीवार पर भी फ्रेम करवाकर या फिर कुशन कवर पर लगाकर भी सजाया जा सकता है.

साड़ी के पर्दे

गोल्डन, सिल्वर बीड्स व बेशकीमती कढ़ाई से सुसज्जित साड़ियां घर के इंटीरियर को नया रूप दे सकती हैं. आप इनसे ड्राइंग रूम के परदे बना सकती हैं, लेकिन परदे बनाते वक्त आपको ढ़ेर सारी साड़ी की जरूरत पड़ेगी. इसलिए बेहतर होगा कि आप परदों के लिए मिक्स एंड मैच का तरीका अपनाएं. ये कलरफुल व रेशमी परदे कमरे की रौनक को दोगुना कर देंगे. इसके अलावा इन साड़ियों से आप बेड या फिर रजाई कवर भी बना सकती हैं.

ब्यूटीफुल बुकमार्क

आप अपनी साड़ियों को बुकमार्क के रूप में भी सहेज सकती हैं. साड़ी के बौर्डर को आयातकार शेप में काट लें और ग्लू की मदद से कार्ड बोर्ड पर चिपका दें. अब इसमें होल करके साटिन का छोटा-सा रिबन बांध दें.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601